पी. एम. श्री. केन्द्रीय विद्यालय के. रि. पु. ब. हैदराबाद

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA CRPF HYDERABAD

संचारिका

SANCHARIKA

2024 - 25

संपादन : राम शंकर कुशवाह, स्नातकोत्तर शिक्षक, हिन्दी एवं श्रीमती मंजू पठान, कम्प्यूटर प्रशिक्षक

Education Is The Manifestation Of Perfection Already Existing In Man.

- Swamy Vivekananda

Dear Students, schooling is our first contact with the world, a period of joy, healthy competition, fearing, adjustment, sharing and love. It is not the wide open space, classrooms, the library, laboratories or the large fields that make the school. It is in the heart of the students and staff that the true institution exists.

To ensure success, we at Kendriya Vidyalaya CRPF provide 'means' and opportunities to enhance the children's creative expression through myriad activities. The focus here is not only on the 'end' 'success'. But also on the 'means'. 'the process of climbing'. The students acquire the much needed confidence to succeed by engaging themselves in curricular and co-curricular programmes. The aim is to excel in academics, sports, music, art and craft, the use of technology and citizenship training, without neglecting the importance of value education and sensitivity towards environment.

A Vidyalaya Patrika is an excellent medium which serves the purpose of giving avenues to the budding writes to give vent to their creative potential. In the same way, it also acts as a canvas to showcase the achievements of the tiny tots during their formative years.

I Congratulate THE EDITORIAL BOARD for their meticulous and sincere efforts.

I am sure the readers will enjoy reading.

Mr. G P D CHRISTY
Principal
KV CRPF, Barkas, Hyderabad

हिन्दी

सरस्वती वंदना

वर दे, वर दे वरदायिनी माता विद्या का वर दे।
अंधकार मन से मिट जाए हृदय धवल कर दे।।
वर दे, वर दे .....

ब्रह्मसुते, कल्याणकारिणी मैं तुझको ध्याऊँ,
कंठ मेरे जा बैठ मात बस इतना ही चाहूँ।
उर का आँगन कर दे पावन मैं चाकर बन जाऊँ,
स्वर का ज्ञान कंठ को दे दे बुद्धि प्रबल कर दे।
वर दे, वर दे .....

शुभ्रवसन, माँ हंसवाहिनी करूँ मैं तेरा अर्चन,
स्वरदेवी, अज्ञानहारिणी तन, मन तुझको अर्पण।
माँ तेरी मैं करूँ वदना, वाणी तुझे समर्पण,
ज्ञान सिंधु से माँ मुझमें तू छुद्र बूँद भर दे।
वर दे, वर दे .....

शारद, वीणापाणि, भारती अभिनंदन करता हूँ,
तेरा वरद हस्त पाने को कोटि जतन करता हूँ।
मन मंदिर में हे वागीशे नित्य नमन करता हूँ,
आशीषों के ज्याति पुंज से पथ रौशन कर दे।
वर दे, वर दे .....

वर दे, वर दे वरदायिनी माता विद्या का वर दे।
अंधकार मन से मिट जाए हृदय धवल कर दे।।

राम शंकर कुशवाह
स्नातकोत्तर शिक्षक, हिन्दी

बलिदान वीरों का

करने आये हैं हम
बलिदानी वीरों को
चल पड़ते थे जो अंगारों पर
मातृभूमि को करके नमन।
उम्र ना पूछो
धर्म ना पूछो
इस मिट्टी के रखवालों की।
चल पड़े जो अंधियारों में
अत्याचारों का करने अन्त।
लहू बहाया धरती पर
जैसे बहता हो गंगा का पावन जल।
नहीं रुके यह, नही झुके यह,
वीर अमर बलिदानी थे।
कल का सूरज देखेगें वह
अपने ध्वज के नीचे
करके प्रण जब बढे कदम
अंग्रेजों के भी छक्के छूटे थे
कोई नरम था, कोई गरम था
कोई थी बेटी जैसे लक्ष्मी बाई।
आजाद होगा देश हमारा
मन में सबने ठानी थी।

प्रियानी
कक्षा 9 'ब'

हिन्दी भाषा का महत्त्व

मानव जाति अपने सृजन से ही स्वयं को अभिव्यक्त करने के तरह–तरह के माध्यम खोजती रही है। आपसी संकेतों के सहारे एक–दूसरे को समझने की ये कोशिशें अभिव्यक्ति के सर्वोच्च शिखर पर तब पहुँच गई जब भाषा का विकास हुआ। भाषा लोगों को आपस मे जोड़ने का सबसे सरल और जरूरी माध्यम है। आज यानी 14 सितंबर को हिन्दी दिवस के अवसर पर, इस आलेख में हिन्दी भाषा पर चर्चा की गई है।

हिन्दी भाषा की विकास यात्रा

एक भाषा के रूप में अगर हिन्दी भाषा की विकास यात्रा की बात करें तो यह एक लंबी और सतत प्रक्रिया है। एक भाषा के विकास में उस समाज और संस्कृति की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है जहाँ पर ये बोली जाती है। हिन्दी भाषा के विकास में भी समाज और संस्कृति की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है; खासकर उत्तर भारतीय राज्यों की भूमिका। भारत की प्राचीन भाषा संस्कृत रही है और इसी भाषा के विभिन्न काल खंडों में अलग–अलग स्वरूपों में हुए वियोजन से हिन्दी का विकास हुआ है।

संस्कृत भाषा से पालि, पालि से प्राकृत, प्राकृत से अपभ्रंश, अपभ्रंश से अवहट्ट, अवहट्ट से पुरानी हिन्दी और पुरानी हिन्दी से आधुनिक हिन्दी का विकास हुआ है जिसे आज हम बोलते है। हालांकि इसे लेकर मतभेद है कि अपभ्रंश से हिन्दी का विकास हुआ है या पुरानी हिन्दी से। मगर वर्तमान भाषाविज्ञानी इसे अपभ्रंश से ही विकसित हुआ मानते है।

अगर हिन्दी भाषा के विकास के कालखंड की बात करें तो यह तीन कालों में विकसित हुई– पहला कालखंड 1050 ईस्वी – 1350 ईस्वी का माना जाता है, इसे प्राचीन हिन्दी का काल कहा जाता है। दूसरा कालखंड मध्य काल (1350 ईस्वी – 1850 ईस्वी) कहा जाता है। इस काल में हिन्दी भाषा की बोलियों अवधी और ब्रज में विपुल साहित्य रचा गया। तीसरा कालखंड 1850 ईस्वी से अब तक माना जाता है और इसे आधुनिक काल की संज्ञा दी जाती है। इस काल में हिन्दी भाषा का स्वरूप बेहद तेजी से बदला है।

दरअसल इस काल में हिन्दी जन–जन की भाषा बन गई। ये वो दौर था जब आजादी की लड़ाई लड़ी जा रही थी और इस दौरान हिन्दी का संपर्क भाषा के रूप में प्रचलन खूब बढ़ा। ये हिन्दी भाषा का ही असर था कि उत्तर भारत ही नहीं दक्षिण भारत से भी आने वाले आजादी के नायकों ने इसे राष्ट्रभाषा के रूप मे स्वीकार किये जाने की पुरजोर वकालत की। हालांकि हिन्दी भाषा को आज तक राष्ट्रभाषा का दर्जा नहीं मिल सका है।

क्यों नहीं है हिन्दी भारत की राष्ट्रभाषा?

राष्ट्रभाषा किसी देश को एक करने के लिहाज से बेहद महत्त्वपूर्ण होती है। यही कारण है कि महात्मा गांधी ने वर्ष 1917 में गुजरात के भरूच में हुए गुजरात शैक्षिक सम्मेलन में हिन्दी भाषा को राष्ट्रभाषा बनाए जाने की वकालत की थी–

"भारतीय भाषाओं में केवल हिन्दी ही एक ऐसी भाषा है जिसे राष्ट्रभाषा के रूप में अपनाया जा सकता है क्योंकि यह अधिकांश भारतीयों द्वारा बोली जाती है; यह समस्त भारत में आर्थिक, धार्मिक और राजनीतिक सम्पर्क माध्यम के रूप में प्रयोग के लिए सक्षम है तथा इसे सारे देश के लिए सीखना आवश्यक है।"

स्नेहा साहू, कक्षा 12

भ्रमण (देशाटन) एक लाभकारी प्रकृति

भ्रमण अर्थात् देशाटन दो शब्दों से मिलकर बना है देश + आटन। देश का अर्थ होता है स्थान और आटन का अर्थ होता है घूमना। देशाटन मनुष्य पर संगम ज्ञान प्रदान करने का एक बहुत महत्वपूर्ण साधन है। मनुष्य के सामान्य, ज्ञान में बुद्धि होने लगती हैं। यात्रा करते समय दूसरे लोगों के साथ व्यवहार करना आता है। पर्यटन से हमारा दृष्टिकोण उदार एवं सहिष्णु बन जाता है। यात्रा करते समय विभिन्न स्थानों की भौगोलिक स्थिति मालूम होती है। देशाटन से मनुष्य की बुद्धि का विकास होता है और उसमें समानता की भावना आती है। देशाटन करने से विभिन्न लोग संपर्क में आते हैं।

देशाटन से व्यापार में भी खूब लाभ होता है। महानगरों में संग्रहालय व चिड़ियाघर होते हैं। इनको देखकर हमें बहुत सी बातों की जानकारी मिलती है। चिड़िया घर में विभिन्न प्रकार के जानवरों को देखकर बच्चे बहुत अधिक प्रसन्न हो जाते हैं। भारत में पर्यटन का महत्वपूर्ण तीर्थ यात्रा है। इन तीर्थों को जाने वाले व्यक्तियों को भारत की सीमाओं की, प्राकृतिक जीवन की जानकारी हो जाती है।

देशाटन की आदत पड़ जाने से व्यक्ति धन का अपव्यय करने लगता है । पर्यटन हमारी कूप–मंडूकता को दूर करने का साधन है। हमारी सरकार को चाहिए कि देशाटन को प्रोत्साहित करने के लिए यात्रा किराए भाड़े में कमी करे।

एन. श्रीशा

कक्षा 12

शिक्षक

जीवन में जो राह दिखाए,

सही तरह चलना सिखाए।

माता–पिता से पहले आता,

जीवन में सदा आदर पाता।

सबने मान प्रतिष्ठा जिससे,

सीखी कर्त्तव्यनिष्ठा जिससे ।

कभी रहा न दूर मैं जिससे,

वह मेरा पथदर्शक है जो ।

मेरे मन को भाता वो,

वह मेरा शिक्षक कहलाता।

कभी है शांत, कभी है धीर,

स्वभाव में वह सदा गंभीर,

मन में देवी दबी रहे ये इच्छा,

काश मैं उस जैसा बन पाता,

जो मेरा शिक्षक कहलाता ।

स्वरा कुम्भार

कक्षा 10 'स'

योग क्या है?

योग अनिवार्य रूप से एक अत्यंत सूक्ष्म विज्ञान पर आधारित एक आध्यात्मिक अनुशासन है, जो मन और शरीर के बीच सामंजस्य लाने पर केंद्रित है।

योग में 4 आसन

वृक्षासन (Tree pose)

सेतु बंधासन (Bridge pose)

वीरभद्रासन (Warrior pose)

शलभासन (Locust Pose)

योग के लाभ

- यह आपको एक स्वस्थ जीवन शैली जीने के लिए पूरी तरह से प्रेरित कर सकता है।
- लचीलेपन और संतुलन को बढ़ावा मिलता है।
- आप मांसपेशियों की ताकत और स्वर प्राप्त करते हैं।
- यह तनाव को दूर कर सकता है।
- यह विभिन्न प्रकार के दर्द से राहत दिलाने में मदद करता है।
- आपकी रीढ़ आपको धन्यवाद देगी।
- यह स्वस्थ जोड़ों और हड्डियों को बढ़ावा देता है।
- यह परिसंचरण में सुधार करता है।

फूल की अभिलाषा

नन्हा सा फूल हूँ मैं,
मेरे जीवन की यही परिभाषा है।
वीरों के पथ पर बिछ जाऊ,
बस इतनी सी अभिलाषा है।

नही चाह गहने में गूँथा जाऊ,
बन सुंदरता नारी की,
स्वयं पर मैं न इठलाऊँ।
छूकर उन पावन चरणों को बस,
उनकी चरण रज बन जाऊं,
बस इतनी सी आशा है।
नन्हा सा फूल हूँ मैं बस,
मेरी जीवन की छोटी सी परिभाषा है।

वीरों की वीर गाथाएँ गाउँ
उनकी वेदी पर चढ़ जाऊ,
लघु से अपने जीवन को,
सद कर्मो से सफल बनाऊं।
महक उठे जिससे धरती माँ का आँचल,
मेरे जीवन की यही जिज्ञासा है,
जीवन सफल समर्पित हो,
मेरे जीवन की यही अभिलाषा है।

नन्हा सा फूल हूँ मैं
मेरे जीवन की यही परिभाषा है।
वीरों के पथ पर सज जाऊ,
बस इतनी सी अभिलाषा है।

ए. वर्षिता देवी (8 ब)

प्राचीन भारत में जाति प्रथा

प्राचीन भारत में जाति प्रथा एक महत्वपूर्ण सामाजिक संरचना थी, जो समाज के संगठन और जीवन के विभिन्न पहलुओं को नियंत्रित करती थी। इसका मूल वैदिक काल में वर्ण व्यवस्था से जुड़ा हुआ है, जो मुख्यतः कर्म (कार्य) और गुण (योग्यता) के आधार पर समाज को चार वर्णों में विभाजित करती थी। ये चार वर्ण थे। ब्राह्मण: वेदों का अध्ययन और शिक्षा, यज्ञ-आयोजन, पूजा और धार्मिक कार्यों का संचालन करने वाले। क्षत्रिय: समाज की रक्षा और शासन व्यवस्था संभालने वाले योद्धा और राजा। वैश्य: कृषि, पशुपालन, व्यापार और आर्थिक गतिविधियों में लगे लोग। शूद्र: सेवा कार्यों और समाज के अन्य वर्गों की सहायता करने वाले।

वर्ण और जाति में अंतर

वैदिक काल में वर्ण प्रणाली लचीली थी और व्यक्ति के कर्म और गुण के आधार पर स्थान निर्धारित होता था। लेकिन समय के साथ यह प्रणाली कठोर हो गई और वंशानुगत जाति प्रथा में बदल गई। जाति प्रथा में समाज को हजारों जातियों और उपजातियों में विभाजित कर दिया गया, जो जन्म आधारित थीं।

जाति प्रथा के प्रभाव

सामाजिक संगठन: जाति प्रथा ने समाज को व्यवस्थित किया लेकिन इसे विभाजित भी किया।

आर्थिक गतिविधियाँ: जाति प्रथा ने कार्यों का बंटवारा किया, जिससे हर जाति के पास विशिष्ट पेशे और जिम्मेदारियाँ थीं।

अस्पृश्यता: जाति प्रथा के कठोर होने से निम्न जातियों को समाज में कई अधिकारों से वंचित कर दिया गया।

शादी-विवाह: जाति प्रथा ने अंतर्जातीय विवाह को प्रतिबंधित किया और सामाजिक गतिशीलता को सीमित कर दिया।

सुधार आंदोलनों का प्रभाव

प्राचीन भारत में कई सुधार आंदोलनों ने जाति प्रथा को चुनौती दी। बौद्ध और जैन धर्म ने समानता और जातिवाद के खिलाफ संदेश दिया। मध्यकाल और आधुनिक काल में भी संतों और समाज सुधारकों ने जाति प्रथा की आलोचना की।

जाति प्रथा ने समाज को एक तरफ संगठित किया लेकिन इसकी कठोरता और भेदभाव ने सामाजिक असमानता को भी जन्म दिया, जो भारतीय समाज पर गहरा प्रभाव डालती रही।

इश्मिता, कक्षा 12

भारत में जाति व्यवस्था

जाति एक ऐसी व्यवस्था है, जिसके अंतर्गत एक समाज अनेक आत्म केंद्रित एवं एक दूसरे से पूर्णत: पृथक इकाइयों में विभाजित रहता है ।

जाति प्रथा समाज की एक विकट समस्या है। इसके कारण समाज में असमानता,एकाधिकार, विद्वेष आदि दोष उत्पन्न हो जाते हैं। जाति प्रथा की सबसे बड़ा दोष छुआछूत की भावना है। इसके कारण संकीर्णता की भावना का प्रसार होता है और सामाजिक राष्ट्री य एकता में बाधा आती है।

जाति के नाम पर निम्न वर्ग के लोगों को कई प्रकार की यातनाएँ सहनी पड़ती हैं। उन्हें अपनी जिंदगी स्वतंत्र रूप से जीने में बाधा होती है। आम जगहों को इस्तेमाल करने से उनके लिए पाबंदी है। निम्न वर्ग के लोगों से छुआ पानी पीना, उनका बना भोजन खाना, रास्ते में दूसरों के सामने पड़ना आदि बातों को बुरा समझा जाता है।

भारत में जाति प्रथा एक अभिशाप है:

- जाति प्रथा से सामाजिक, राष्ट्रीय एकता में बाधा आती है.
- जाति प्रथा से आर्थिक प्रगति में भी बाधा आती है.
- जाति प्रथा से लोगों की पहल और उद्यमशीलता खत्म होती है.
- जाति प्रथा से उच्च वर्गों में शारीरिक श्रम के प्रति घृणा की भावना आती है.
- जाति प्रथा से समाज में असमानता, एकाधिकार, विद्वेष जैसे दोष पैदा होते हैं.
- जाति प्रथा से राजनीतिक एकता स्थापित नहीं हो पाती.
- जाति प्रथा से देश पर किसी बाहरी आक्रमण के समय एक बड़े वर्ग को हतोत्साहित किया जाता है.
- जाति प्रथा में पेशे का निर्धारण एक मनुष्य को जीवन भर के लिए दे दिया जाता है.

एन. श्रीशा, कक्षा 12

स्मार्ट फ़ोन की लत

मोबाइल फ़ोन हमारे जीवन का अभिन्न अंग हो गया है, इसके आभाव में हमारे अनेकों महत्वपूर्ण काम रुक जाते हैं। जब व्यक्ति खुद को अपने मोबाइल फ़ोन से दूर नहीं रख पाता, इस को मोबाइल की लत कहते हैं। मोबाइल फ़ोन का आविष्कार वर्तमान में व्यक्ति के लिए वरदान है।

मोबाइल की लत में हम स्वयं को अपने मोबाइल से दूर नहीं रख पाते हैं । कोई विषेश काम न होने पर भी हम मोबाइल को स्क्रोल करते रहते हैं। आज के समय में हमें मोबाइल की इतनी बुरी लत है, इसका अनुमान आप इस वाक्य से लगा सकते हैं- 'मोबाइल की लत को दूर करने के उपाय हम घंटों लगाकर मोबाइल पर ही ढुंढते हैं'। यह आदत हमारे जीवन को बहुत अधिक प्रभावित करता है।

हमारे स्वास्थ्य पर मोबाइल फ़ोन के लत का बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है। इसके अधिक उपयोग से व्यक्ति में चिड़चीड़ापन का होना, हमेशा सिर दर्द की समस्या, नेत्र संबंधित समस्या, अनिद्रा व मोबाइल के हानिकार रेडिएशन से हृदय संबंधित रोग भी हो सकते हैं।

कुछ साल पहले तक मोबाइल फ़ोन इस्तेमाल कर पाना सबके बस में नहीं था, पर समय बीतने के साथ आज आम तौर पर यह सभी के पास देखा जा सकता हैं। मोबाइल की लत ने हमारे जीवन को बहुत अधिक प्रभावित किया है, अतः हमें इस लत को दूर करने के प्रयास करने चाहिए।

जे नबील जमालुदीन IX ब

आत्मविश्वास

दिन में सूरज है अगर,

तो रात को भी चाँद तारे हैं,

पर जीत तो वे लोग भी सकते हैं,

जो कभी हारे हैं|

कुछ न कर सके तो कहते हैं,

हम तो किस्मत के मारे हैं,

पर जान न सके तुम खुद को,

की कितने रूप तुम्हारे हैं?

हिम्मत और हौंसला हो अगर,

तो रास्ते कई सारें हैं,

पर जीत तो वे लोग भी सकते हैं,

जो कभी हारे हैं|

नाज़िश जैना

७ ब

भारत में मीडिया का सकारात्मक व नकारात्मक चरित्र

परिचय

मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना जाता है। यह समाज में सूचना, शिक्षा, और जागरूकता का प्रसार करता है। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में, मीडिया की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। हालांकि, इसकी भूमिका में सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलू हैं, जिन्हें समझना और उनका विश्लेषण करना आवश्यक है।

मीडिया के सकारात्मक पहलू

1. सूचना का प्रसार: मीडिया समाज में ताजा और प्रामाणिक समाचार पहुंचाने का सबसे बड़ा स्रोत है। यह लोगों को वैश्विक घटनाओं से अवगत कराता है।
2. शिक्षा और जागरूकता: मीडिया समाज में शिक्षा, स्वास्थ्य, और सामाजिक मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का कार्य करता है। उदाहरण के लिए, स्वच्छ भारत अभियान जैसी पहल में मीडिया की भूमिका अहम रही है।
3. लोकतंत्र की रक्षा: मीडिया ने कई बार भ्रष्टाचार और अन्याय को उजागर किया है, जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव आए हैं।
4. मनोरंजन: मनोरंजन के क्षेत्र में मीडिया ने अपनी छाप छोड़ी है, जिससे लोगों को तनाव मुक्त जीवन जीने में सहायता मिली है।

मीडिया के नकारात्मक पहलू

1. फेक न्यूज़: डिजिटल युग में झूठी खबरें फैलाने का माध्यम बनता जा रहा है, जिससे समाज में भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है।
2. पक्षपात: कुछ मीडिया संस्थान अपने स्वार्थ के लिए पक्षपातपूर्ण रिपोर्टिंग करते हैं। इससे जनमत प्रभावित होता है।
3. सेंसेशन की होड़: सनसनीखेज समाचार प्रस्तुत करने की प्रवृत्ति ने मीडिया की विश्वसनीयता को कम किया है।
4. नैतिक मूल्यों का अभाव: कई मीडिया संस्थान केवल व्यवसायिक लाभ के लिए अपने नैतिक मूल्यों से समझौता करते हैं।

सुझाव

1. नैतिकता का पालन: मीडिया को अपने कार्यों में नैतिकता और सच्चाई का पालन करना चाहिए।
2. सरकारी नियमन: सरकार को स्वतंत्रता बनाए रखते हुए मीडिया की निगरानी करनी चाहिए।
3. जागरूकता अभियान: जनता को फेक न्यूज़ की पहचान करने और उसके प्रभावों से बचने के लिए शिक्षित करना आवश्यक है।
4. सकारात्मक समाचार: मीडिया को ऐसे समाचारों पर ध्यान देना चाहिए, जो समाज को प्रेरणा और प्रोत्साहन दें।

निष्कर्ष

भारत में मीडिया का सकारात्मक और नकारात्मक दोनों ही पक्ष हैं। मीडिया को अपने कर्तव्यों का पालन ईमानदारी और जिम्मेदारी से करना चाहिए। यदि यह शिक्षा, स्वास्थ्य, और सामाजिक न्याय जैसे क्षेत्रों में ध्यान केंद्रित करे, तो यह न केवल समाज को जागरूक करेगा, बल्कि देश के भविष्य के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

प्रतीक कुमार, कक्षा 12

झंडा

झंडा हमारा सबसे न्यारा,

सबको ही लगता यह प्यार ||

हमारे देश की शान है यह,

हमारे देश की मान है यह ||

हमारे देश की जीत है यह,

हम गाते गीत है यह ||

इसको कभी न झुकने देंगे,

इसको कभी न रुकने देंगे ||

आगे बढ़ता यह जाएगा,

सारे जहां को आगे यह ले जाएगा ||

बी .रित्विक

सातवीं 'ब'

दो का पहाड़ा

एक गांव में थे दो चोर,

चोरी करत चारों ओर ।

छह किलो पीते थे दूध,

रोज़ खाते आठ अमरूद ।

दस गांव में थे बदनाम,

बारह थानों में था नाम ।

एक दिन चौदह थानेदार आए,

सोलह उन पर केस लगाएं ।

अठारह मील दिया धकेल,

बीस साल की हो गई जेल ।

बी रत्विक

सातवी 'ब'

हैदराबाद में जगदीश बाजार

जगदीश बाजार पहला विचार है जो हैदराबादियों के लिए आता है जब वे अपने फोन को उचित मूल्य पर बेचने या थोक मूल्य पर मोबाइल सामान और गैजेट खरीदने के बारे में सोचते हैं। जिस स्थान पर 500 से अधिक दुकानें हैं, वहां आमतौर पर भीड़ होती है और गैजेट्स के संबंध में अपने वाणिज्यिक व्यवसाय के लिए लोकप्रिय है।

जगदीश बाजार भारत का एक वाणिज्यिक बाजार है जो मोबाइल फोन पर अपने अद्भुत सौदों के लिए प्रसिद्ध है।

सभी प्रकार के फोन की मरम्मत से लेकर उन्हें बेचने या फिर से खरीदने तक, जगदीश बाजार आपके मोबाइल फोन के बारे में आपकी सभी चिंताओं को समाप्त करने के लिए एक पड़ाव है।

दुकानों में मोबाइल फोन के विभिन्न ब्रांडों की व्यापक उपलब्धता है। जिसमें आईफोन और यहां तक कि सेल्फी स्टिक भी शामिल हैं।

आप यहां केवल 1000 - 2000 INR में सर्वोत्तम मरम्मत सेवाएं प्राप्त कर सकते हैं। दुकानें आमतौर पर सस्ती कीमतों या थोक कीमतों पर सेकेंड हैंड फोन बेचती हैं।

कुछ मरम्मत करने वाले सड़क के किनारे बैठते हैं और सबसे सस्ती कीमत पर अपने ब्रांड के बावजूद आपके मोबाइल फोन की मरम्मत की पेशकश करते हैं।

क्या आपने कभी सुना है कि 1000 रुपये से कम कीमत में आईफोन रिपेयर और अनलॉक हो रहा है? असंभव लगता है ना? लेकिन हैदराबाद में यह संभव है।

यशवंत, कक्षा 12

जाति प्रथा

जाति प्रथा से निकलने के लिए समाज में व्यापक परिवर्तन की आवश्यकता है। यह परिवर्तन केवल कानून और नीतियों के माध्यम से ही नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति के मानसिकता और दृष्टिकोण में बदलाव से भी संभव है।

शिक्षा और जागरूकता: शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण साधन है जो लोगों को जाति प्रथा के नुकसान और समानता के महत्व को समझने में मदद कर सकती है। स्कूलों और कॉलेजों में जाति प्रथा के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए। इसके अलावा, मीडिया और सामाजिक संगठनों को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

कानूनी कदम: सरकार को सख्त कानून बनाने चाहिए जो जाति प्रथा के खिलाफ हों और इनका सख्ती से पालन करना चाहिए। जाति आधारित भेदभाव और अत्याचार के मामलों में त्वरित और निष्पक्ष न्याय सुनिश्चित करना चाहिए।

सामाजिक सुधार: सामाजिक सुधार के लिए समाज के प्रमुख व्यक्तियों और संगठनों को मिलकर काम करना चाहिए। जाति प्रथा के खिलाफ सामाजिक आंदोलन और अभियान चलाने चाहिए। धार्मिक और सांस्कृतिक नेताओं को भी इस दिशा में पहल करनी चाहिए और अपने अनुयायियों को समानता और भाईचारे का संदेश देना चाहिए।

समान अवसर: सभी लोगों को समान अवसर मिलने चाहिए, चाहे उनकी जाति कुछ भी हो। इससे जाति प्रथा का प्रभाव कम होगा। रोजगार, शिक्षा, और अन्य क्षेत्रों में समान अवसर प्रदान करने के लिए नीतियां बनाई जानी चाहिए।

व्यक्तिगत प्रयास: हर व्यक्ति को अपने व्यवहार में परिवर्तन लाना चाहिए और जाति प्रथा के खिलाफ खुद से शुरुआत करनी चाहिए। हमें अपने परिवार और दोस्तों के बीच समानता और भाईचारे का संदेश फैलाना चाहिए।जाति प्रथा से निकलने के लिए यह जरूरी है कि हम सभी मिलकर काम करें और समाज में समानता और न्याय की स्थापना करें।

साक्षी, कक्षा १२

आज़ादी के रखवाले

सपनों के संरक्षक हैं वह, उनके क़दम पवित्र है

वीरता का पर्याय हैं, उनके निर्णय पवित्र हैं

शरहदों पर खड़े हैं शान से आज़ादी के रखवाले

साहस की संरचना हैं वह, उनके लक्ष्य पवित्र हैं

जीवन का एक ही उद्देश्य है उनका

समृद्धशाली और सुरक्षित अपना भारत हो

तिनका-तिनका हो जाए समर्पित उनका

पर ना खंडित अब अपना भारत हो

युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत हैं

लोकतंत्र के लिए लिखा हुआ वो एक गीत ह

हर धन से बढ़कर हैं आज़ादी के रखवाले

जिनकी हर जीत में केवल भारत की जीत है...

शम्मा फातिमा

परीक्षा पे चर्चा

जब-जब घड़ी परीक्षा की हो, तब-तब मोदी रहे बताय।

कैसे लिखै परीक्षा कोई, कैसे घनी सफलता पाय।।

ऑनलाइन हम करें पढ़ाई, या फिर ऑफलाइन हो जाय।

मन को रखें विषय पर कसकर, बिल्कुल इधर-उधर ना जाय।।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति बनी है, सब जनता की ले के राय।

रुचि के विषय मिलेंगे सबको, जब चाहो तब ले लो जाय।।

जी भर जियो अभी के पल को, भूत भविष को देउ भुलाय।

चित्त लगा लो आज कर्म में, तो कल निश्चित रहो सुखाय।।

पुरखों ने कितना छोड़ा है, हमको तनिक विचारौ आय।

निर्मल नदियाँ, शीतल उपवन, तरुवर फल के दए लगाय।।

हम क्या देंगे नई फसल को, मन में लो तुम आज बिठाय।

यही धर्म है मानव का, तुम मानव धर्म निभाओ जाय।।

श्रुति कुशवाह

कक्षा 9 'स'

ताज महल प्रेम का प्रतीक और एतिहासिक धरोहर

• प्रस्तावन

ताज महल, भारत के उत्तर प्रदेश राज्य के आगरा शहर में स्थित एक भव्य मकबरा है, जिसे मुग़ल सम्राट शाहजहाँ ने अपनी पत्नी मुमताज़ की याद में बनवाया था। यह सफेद संगमरमर से बना है और विश्व धरोहर स्थल के रूप में यूनेस्को द्वारा मान्यता प्राप्त है। ताज महल को भारतीय स्थापत्य कला का अद्वितीय उदाहरण माना जाता है और यह भारत के सबसे प्रसिद्ध स्मारकों में से एक है।

• ताजमहल का निर्माण और वास्तु कला

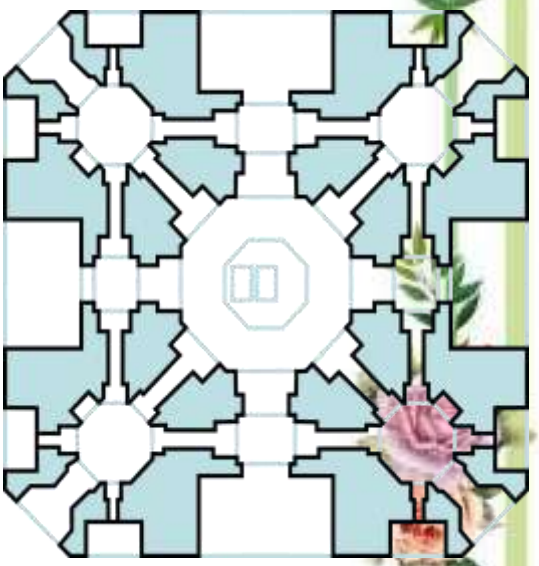

ताजमहल के फर्श/तल पर संरचना की योजना का मानचित्र

ताज महल का निर्माण 1632 में शुरू हुआ था और इसे पूरा होने में लगभग 22 साल लगे, 1653 में इसका निर्माण कार्य समाप्त हुआ। इसे बनाने में करीब 20,000 कारीगरों और श्रमिकों ने काम किया। इसका डिज़ाइन फ़ारसी, तुर्की, और भारतीय स्थापत्य शैली का मिश्रण है, जो इसे एक अलग ही सुंदरता प्रदान करता है। ताज महल का प्रमुख हिस्सा एक केंद्रीय गुंबद है, जो 35 मीटर ऊंचा है और इसके चारों कोनों चार मीनारें बनी हैं। इन मीनारों का उद्देश्य मकबरे की को संतुलित करना था और साथ ही साथ यह भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं से संरचना को बचाने का काम करती हैं।

• ताजमहल का इतिहास

ताजमहल के पूरा होने के तुरंत बाद ही, शाहजहाँ को अपने पुत्र औरंगजेब द्वारा अपदस्थ कर, आगरा के किले में नज़रबन्द कर दिया गया था। शाहजहाँ की मृत्यु के बाद, उन्हें उनकी पत्नी के बराबर में दफना दिया गया था। अंतिम 19वीं सदी होते होते ताजमहल की हालत काफी जीर्ण-शीर्ण हो चली थी 1857 के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, ताजमहल को ब्रिटिश सैनिकों एवं सरकारी

अधिकारियों द्वारा काफी विरुपण सहना पड़ा था। इन्होंने बहुमूल्य पत्थर एवं रत्न, तथा लैपिज़ लज़ूली को खोद कर दीवारों से निकाल लिया था। 19वीं सदी के अंत में ब्रिटिश वाइसरॉय जॉर्ज नैथैनियल कर्ज़न ने एक वृहत प्रत्यावर्तन परियोजना आरंभ की। यह 1908 में पूर्ण हुई। उसने आंतरिक कक्ष में एक बड़ा दीपक या चिराग स्थापित किया, जो काहिरा में स्थित एक मस्जिद जैसा ही है। इसी समय यहाँ के बागों को ब्रिटिश शैली में बदला गया था। वही आज दर्शित हैं। सन् 1942 में, सरकार ने मकबरे के इर्द्-गिर्द, एक मचान सहित पैड़ बल्ली का सुरक्षा कवच तैयार कराया था। यह जर्मन एवं बाद में जापानी हवाई हमले से सुरक्षा प्रदान कर पाए। 1965 एवं 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध के समय भी यही किया गया था, जिससे कि वायु बमवर्षकों को भ्रमित किया जा सके। इसके वर्तमान खतरे वातावरण के प्रदूषण से हैं, जो कि यमुना नदी के तट पर है, एवं अम्ल-वर्षा से, जो कि मथुरा तेल शोधक कारखाने से निकले धुंए के कारण है। इसका सर्वोच्च न्यायालय के निदेशानुसार भी कड़ा विरोध हुआ था। 1983 में ताजमहल को युनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।

• पर्यटन

आज ताज महल एक प्रमुख पर्यटन स्थल है और प्रतिवर्ष लाखों लोग इसे देखने आते हैं। इसके अद्वितीय सौंदर्य और ऐतिहासिक महत्व के कारण, ताज महल को "प्रेम का प्रतीक" भी कहा जाता है। यह भारत की सांस्कृतिक धरोहर का एक अभिन्न हिस्सा है और दुनियाभर में भारत की पहचान के रूप में खड़ा है।

जंक फूड और युवा...

एक सर्वेक्षण संयोजन युवाओं के बीच जंक फूड की खपत में चिंताजनक वृद्धि उनके स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा पैदा करती है। कैलोरी, चीनी और अस्वास्थ्यकर वसा से भरपूर जंक फूड कई युवाओं के आहार का मुख्य हिस्सा बन गया है। नतीजे:- मोटापा और संबंधित रोग (मधुमेह, हृदय रोग)। पोषक तत्वों की कमी और ऊर्जा दुर्घटनाएँ - संज्ञानात्मक कार्य और शैक्षणिक प्रदर्शन में कमी। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं (अवसाद, चिंता) का खतरा बढ़ जाना कारण :- जंक फूड की व्यापक उपलब्धता और विपणन। पोषण संबंधी शिक्षा और जागरूकता का अभाव। व्यस्त जीवनशैली और सुविधा की तलाश। साथियों का दबाव और सामाजिक मानदंड समाधान :- स्वस्थ भोजन और पोषण पर शिक्षा। संपूर्ण, पौष्टिक खाद्य पदार्थों तक पहुंच में वृद्धि। जंक फूड मार्केटिंग को युवाओं तक सीमित करना। शारीरिक गतिविधि और आउटडोर खेल को प्रोत्साहित करना निष्कर्ष: युवा जंक फूड के आकर्षण की चपेट में आ रहे हैं, जिससे उनका स्वास्थ्य और भविष्य खतरे में पड़ रहा है। स्वस्थ आदतों को बढ़ावा देने और जंक फूड के आकर्षण की चपेट में आ रहे हैं।

सुप्रिया, कक्षा १२

ग्लोबल वार्मिंग : हमारे ग्रह के लिए एक खतरा

ग्लोबल वार्मिंग, पृथ्वी के तापमान में धीरे-धीरे वृद्धि, हमारे ग्रह के लिए विनाशकारी खतरा पैदा करती है। मानवीय गतिविधियाँ, विशेष रूप से जीवाश्म ईंधन जलाने और वनों की कटाई, भारी मात्रा में ग्रीनहाउस गैसें छोड़ती हैं, जिससे गर्मी फँस जाती है और तापमान बढ़ जाता है। नतीजे:- समुद्र का स्तर बढ़ना और ग्लेशियर पिघलना। चरम मौसम की घटनाएं : सूखा, लू और तूफान बाधित पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता की हानि। मानव स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव कारण:- जीवाश्म ईंधन (कोयला, तेल, गैस) जलाना। वनों की कटाई और भूमि उपयोग में परिवर्तन। औद्योगिक कृषि और पशुधन उत्पादन समाधान:- नवीनकरण ऊर्जा स्रोतों (सौर, पवन) में संक्रमण। ऊर्जा क्षमता और संरक्षण। सतत भूमि-उपयोग प्रथाएं (पुनर्वनरोपण, पर्माकल्चर)। जलवायु-लचीला बुनियादी ढांचा और अनुकूलन निष्कर्ष:- ग्लोबल वार्मिंग पर तत्काल ध्यान देने और सामूहिक कार्यवाई की आवश्यकता है। ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए सरकारों, निगमों और व्यक्तियों को मिलकर काम करना चाहिए। टिकाऊ प्रथाओं को अपनाकर और नवीकरणीय ऊर्जा में अधिक परिवर्तन करके, हम भावी पीढ़ियों को पृथ्वी के तापमान में वृद्धि से बचा कर अपने ग्रह की की रक्षा कर इस भयानक खतरे से बच सकते हैं।

सुप्रिया, कक्षा १२

यांत्रिक सुविधाओं का मनुष्य और पर्यावरण पर प्रभाव: यांत्रिक सुविधाओं ने मानव जीवन को बदल दिया है, दक्षता और उत्पादकता में वृद्धि की है। हालाँकि, यह प्रगति एक महत्वपूर्ण लागत पर आती है।

नकारात्मक प्रभाव:- वायु और ध्वनि प्रदूषण श्वसन रोगों और श्रवण हानि में योगदान देता है। गतिहीन जीवनशैली मोटापे और संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं को जन्म देती है। मानवीय संपर्क में कमी के कारण मानसिक तनाव और अलगाव होता है। पर्यावरणीय परिणाम:- ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन से जलवायु परिवर्तन में तेजी आती है। औद्योगिक अपशिष्ट और प्रदूषण जल स्त्रोतों और मिट्टी को प्रदूषित करते हैं। बढ़ती खपत के कारण संसाधनों की कमी और वनों की कटाई होती है।

समाधान:- पर्यावरण - अनुकूल प्रौद्योगिकियों और प्रथाओं को लागू करें। नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश करें और खपत कम करें। जिम्मेदार संसाधन प्रबंधन को बढ़ावा देना। निष्कर्ष:- मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर यांत्रिक सुविधाओं के नकारात्मक प्रभावों को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता है। टिकाऊ प्रथाओं को अपनाकर, पर्यावरण - अनुकूल प्रौद्योगिकियों में निवेश करके और जिम्मेदार संसाधन प्रबंधन को बढ़ावा देकर, हम इन परिणामों को कम कर सकते हैं।

सुप्रिया, कक्षा १२

जंक फूड और युवा

जंक फूड, जिसे अस्वस्थ भोजन भी कहते हैं, हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। ये खाद्य पदार्थ जैसे चिप्स, बर्गर, पिज्जा और कोल्ड ड्रिंक्स में उच्च मात्रा में चीनी, वसा और नमक होते हैं। इन्हे अक्सर तेजी से तैयार किया जाता है और इनमें पोषण तत्वों की कमी होती है।

जंक फूड का नियमित सेवन मोटापे, डायबिटीज और हृदय रोग जैसे स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। बच्चों और युवाओं में जंक फूड की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है, जिसके उनके स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

इसलिए स्वास्थ्य और संतुलित आहार को प्राथमिकता देना आवश्यक है। फल, सब्जि और अनाज जैसे पौषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए। हमे जंक फूड के स्थान पर स्वस्थ्य विकल्प चुनने की कोशिश करनी चाहिए ताकि हम स्वस्थ जीवन जी सके

~ हुमा फातिमा
'XII'

हुमा फातिमा
- XIIth -

ग्लोबल वार्मिंग

वैश्विक तापमान मे वृद्धि जिसे ग्लोबल वार्मिंग कहा जाता है, एक गंभीर समस्या है। यह मुख्यतः मानव गतिविधियों, जैसे औद्योगिकीकरण, वाहन प्रदूषण और वनो की कटाई के कारण होती है। इसके परिणामस्वरुप पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है, जिससे जलवायु परिवर्तन, बर्फ के पहाड़ो का पिघलना और समुद्र स्तर मे वृद्धि हो रही है। इससे प्राकृतिक आपदाएँ, जैसे बाढ़ और सूखा। इस समस्या से निपटने के लिए हमें कार्बन उत्सर्जन कम करने, पुनर्नवीनीकरण को बढ़ावा देनो और वृक्षारोपण जैसे कदम उठाने की जरूरत है। यह सभी के लिए एक सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य कर सकता है।

~ हुमा फ़ातिमा (XII)

आज का युग और कंप्यूटर....

आज की पीढ़ी कंप्यूटर के साथ घनिष्ठता से जुड़ी हुई है। यह शिक्षा, मनोरंजन और संचार का महत्त्वपूर्ण साधन बन गया है। बच्चे और युवा ऑनलाइन ज्ञान प्राप्त करते हैं और विभिन्न कार्यों के लिए कंप्यूटर का उपयोग करते हैं। इससे स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं और सोशल मीडिया की लत भी उत्पन्न होती है। इसलिए, जरूरी है कि युवा कंप्यूटर का सही और संतुलित तरीके से उपयोग करें। तकनीक का लाभ उठाते हुए, उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनानी चाहिए ताकि वे सफल और खुशहाल जीवन जी सकें। उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनानी चाहिए, ताकि वे मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रह सकें और एक सफल जीवन जी सकें।

विद्यार्थी के जीवन में शिक्षा का महत्व

जीवन मे शिक्षा का महत्व बहुत है। एक छात्र के लिए शिक्षा उसके जीवन मे बहुत आवश्यक है जिससे कि वह शिक्षा की मदद से जीवन मे सफल हो सके। शिक्षा मानव जीवन के हर पहलू पर सकारात्मक प्रभाव डालती है। इससे हमारी सोच परिवर्तित होती है। शिक्षा के बिना हम कोई भी कार्य करने मे सफल नहीं हो सकते। शिक्षा एक ऐसा हथियार है, जो दुनिया को बदल सकता है। शिक्षा न केवल ज्ञान देती है बल्कि जीने का रास्ता भी दिखाती है। शिक्षा मनुष्य जीवन का आधार है। शिक्षा से मनुष्य का आत्मविश्वास बढ़ता है जो विद्यार्थी को आगे बढ़ने मे मदद करता है। यह हमें जीवन की कठिन परिस्थितियों से लड़ने की ताकत देती है। अंततः शिक्षा ही हमारा भविष्य तय करती है।

सोनाक्षी निंबालकर, 9वीं 'ब'

प्रेमचंद

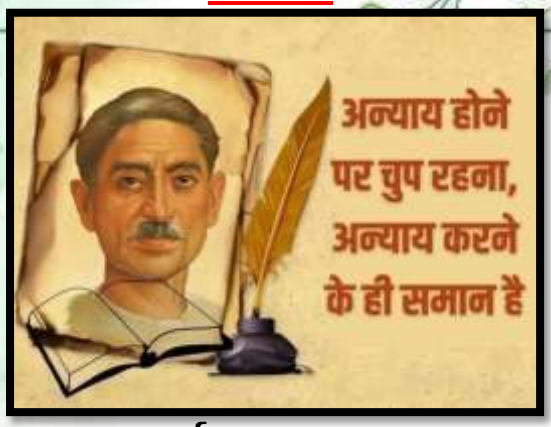

धनपत राय श्रीवास्तव (31 जुलाई 1880 - 8 अक्टूबर 1936) उनका जन्म वाराणसी जिले (उत्तर प्रदेश) के लमही गाँव में एक कायस्थ परिवार में हुआ था। अपने कलम नाम प्रेमचंद से बेहतर जाने जाते हैं। वह एक महान भारतीय लेखक थे, जो अपने आधुनिक हिंदुस्तानी साहित्य के लिए प्रसिद्ध थे। प्रेमचंद हिन्दी और उर्दू दोनों भाषा साहित्य के प्रणेता थे। वे 1890 के दशक में समाज में प्रचलित जाति पदानुक्रम और महिलाओं और मजदूरों की दुर्दशा के बारे में लिखने वाले पहले लेखकों में से एक रहे हैं और बीसवीं शताब्दी की शुरुआत के हिन्दी लेखकों में से एक माने जाते हैं। उन्होंने सेवासदन, प्रेमाश्रम, रंगभूमि, निर्मला, गबन, कर्मभूमि, गोदान, मानसरोवर आदि लगभग डेढ़ दर्जन उपन्यास तथा कफन, पूस की रात, पंच परमेश्वर, बड़े घर की बेटी, बूढ़ी काकी, दो बैलों की कथा आदि तीन सौ से अधिक कहानियाँ लिखीं। उनमें से अधिकांश हिन्दी तथा उर्दू दोनों भाषाओं में प्रकाशित हुई। उन्होंने अपने दौर की सभी प्रमुख उर्दू और हिन्दी पत्रिकाओं में लिखा। उन्होंने 1907 में सोज-ए-वतन नामक पुस्तक में अपनी 5 लघु कहानियों का प्रथम संग्रह प्रकाशित कराया। उन्होंने पहले अपने कलम नाम नवाब रॉय के तहत लिखना शुरू किया लेकिन बाद- में यह नाम प्रेमचंद में बदल दिया। वे एक उपन्यासकार, कहानीकार और नाटककार थे। उन्हें हिन्दी लेखकों द्वारा उपन्यास सम्राट के रूप में भी संदर्भित किया गया है। उनकी रचनाओं में एक दर्जन से अधिक उपन्यास लगभग 300 कहानियाँ, अनेक निबंध तथा अनेक विदेशी कृतियों के हिन्दी में अनुवाद भी हैं। उन्होंने उनकी आखिरी साँस छप्पन साल की उम्र में वाराणसी में ली।

चेतना मीणा, कक्षा 11

मेरे सपनों का भारत

मैं तो देख रहा हूँ सपना ऐसे हिन्दुस्तान का
जन्म जहाँ पर होगा आख़िर
नए, सुखी इन्सान का
मैं तो देख रहा हूँ सपना ऐसे हिन्दुस्तान का।

जहाँ न होगी अन्न समस्या और भूख का रोना
हरियाली से लहराएगा जिसका कोना-कोना
जय-जयकार जहाँ पर होगा, श्रम का और किसान का
मैं तो देख रहा हूँ सपना ऐसे हिन्दुस्तान का।

राज जहाँ पर नहीं करेगी पूँजी शोषणकारी
जहाँ न कुछ महलों वालें हों लाखो नग्न, भिखारी,
जहाँ बनें सच्चे जनसेवक शासक सत्ताधारी
पूजा पाठ जहाँ पर होगा, जनता के भगवान का
मैं तो देख रहा हूँ सपना ऐसे हिन्दुस्तान का।

सदियों का अज्ञान, अँधेरा जहाँ न शेष रहेगा
धर्म, जाति के मतभेदों का जहाँ न क्लेश रहेगा,
भारत का हर वासी जिसको अपना देश कहेगा।

जहाँ मिलेगा पुण्य सभी को,
वीरों के बलिदान का
मैं तो देख रहा हूँ सपना ऐसे हिन्दुस्तान का।

मनमोहन सिंह मीणा
नौवीं 'ब'

Sanskrit
संस्कृत

मनोरम संस्कृत सुभाषितानि

1. उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रविशन्ति मुखे मृगा: ।।

अर्थात:- उद्यम, यानि मेहनत से ही कार्य पूरे होते हैं, सिर्फ इच्छा करने से नहीं। जैसे सोये हुए शेर के मुँह में हिरण स्वयं प्रवेश नहीं करता बल्कि शेर को स्वयं ही प्रयास करना पड़ता है।

2. वाणी रसवती यस्य, यस्य श्रमवती क्रिया ।
लक्ष्मी: दानवती यस्य, सफलं तस्य जीवितं ।।

अर्थात:- जिस मनुष्य की वाणी मीठी है, जिसका कार्य परिश्रम से युक्त है, जिसका धन दान करने में प्रयुक्त होता है, उसका जीवन सफल है।

3. प्रदोषे दीपक: चन्द्र: प्रभाते दीपक: रवि: ।
त्रैलोक्ये दीपक: धर्म: सुपुत्र: कुलदीपक: ।

अर्थात:- संध्या-काल मे चंद्रमा दीपक है, प्रातः काल में सूर्य दीपक है, तीनो लोकों में धर्म दीपक है और सुपुत्र कुल का दीपक है।

4. प्रियवाक्य प्रदानेन सर्वे तुष्यन्ति जन्तवः ।
तस्मात तदैव वक्तव्यम वचने का दरिद्रता।।

अर्थात:- प्रिय वाक्य बोलने से सभी जीव संतुष्ट हो जाते हैं, अतः प्रिय वचन ही बोलने चाहिएं। ऐसे वचन बोलने में कंजूसी कैसी।

5. सेवितव्यो महावृक्ष: फ़लच्छाया समन्वित:।
यदि देवाद फलं नास्ति,छाया केन निवार्यते।।

अर्थात:- विशाल वृक्ष की सेवा करनी चाहिए क्योंकि वो फल और छाया दोनो से युक्त होता है। यदि दुर्भाग्य से फल नहीं हैं तो छाया को भला कौन रोक सकता है।

6. देवो रुष्टे गुरुस्त्राता गुरो रुष्टे न कश्चन:।
गुरुस्त्राता गुरुस्त्राता गुरुस्त्राता न संशयः।।

अर्थात:- भाग्य रूठ जाए तो गुरु रक्षा करता है, गुरु रूठ जाए तो कोई नहीं होता। गुरु ही रक्षक है, गुरु ही रक्षक है, गुरु ही रक्षक है, इसमें कोई संदेह नहीं।

7. अनादरो विलम्बश्च वै मुख्यम निष्ठुर वचनम
पश्चतपश्च पञ्चापि दानस्य दूषणानि च।।

अर्थात:- अपमान करके दान देना, विलंब से देना, मुख फेर के देना, कठोर वचन बोलना और देने के बाद पश्चाताप करना- ये पांच क्रियाएं दान को दूषित कर देती हैं।

AKSHAY SANDIP WELES

STANDARD- 6(A)

स्वच्छ भारत अभियान पर कविता

आम्लं द्राक्षाफलम्!

एकः शृगालः वनं गच्छति
पिपासा बुभुक्षया वनं गच्छति ॥

तत्र गच्छति किमपि न लभते
इतोपि गच्छति किमपि न लभते ॥

श्रान्तः जायते खिन्नः जायते
श्रान्तः जायते खिन्नः जायते ॥

वामतः पश्यति, दक्षिणतः पश्यति
अग्रतः पश्यति, पृष्ठतः पश्यति ॥

स्वेदः जायते तृषा जायते
स्वेदः जायते तृषा जायते ॥

पश्यति हाक्षालतां
सः पश्यति द्राक्षाफलम् ॥

उपरि उपरि लतासु दृश्यते च तत्फलम्
अनुक्षणं तन्मुखे रसः जायते
अनुक्षणं तन्मुखे रसः जायते ॥

एकवारम् उत्पतति, द्विवारम् उत्पतति
त्रिवारम् उत्पतति, पुनः पुनः उत्पतति ॥

स्वेद जायते क्षमः जायते
तस्य स्वेदः जायते श्रमः जायते ॥

आम्लं द्राक्षाफलम् ,आम्लं द्राक्षाफलम्
आम्लं द्राक्षाफलम् ,आम्लं द्राक्षाफलम्॥

तारे तारे भासि कथम्!

तारे तारे भासि कथम् , उन्नतगगने यासि कथम् ।

तिमिरे ताराभिः सह वससि, स्फुरसे ताभिः सह हससि ॥

रात्रौ बहु जयगरणं कुरुषे , दिवसे शयनं त्वं कुरुषे ।

अगणितसंखयानि च मित्राणि , खे तव रचितानि तु चित्राणि ॥

आयासि त्वं सायङ् काले , यासि किल त्वं प्रातः काले ।

स्फुरसे नित्यं सुन्दरदीपः नभसीव त्वं हीरकदीपः ॥

AKSHAY SANDIP WELES

STANDARD- 6(A)

"हे सागर, तुम्हें मेरा प्रणाम"

एकः काकः तृषापीडितः!

एकः काकः तृषापीडितः
जलं नालभत दूरे दूरे ।
वृक्षाद् वृक्षं गतः वराकः
ग्रामे ग्रामे नगरे नगरे ॥ 1 ॥

एकं सहसा घटं दृष्टवान्
घटे जलं दृष्टं बहुदूरे ।
खण्डं खण्डं पाषाणानां
क्षिप्तवान् काकः जलमध्ये ॥ 2 ॥

घटकण्ठं सम्प्राप्तं नीरं
पीत्वा सन्तुष्टः खलु काकः ।
बुद्धिपूर्वकं यत्नं कुरुते
वद न सफलतां लभते का? कः? ॥ 3 ॥

सुभाषितानि!

पृथिव्यां त्रीणि रत्नानि जलमन्न सुभाषितम्।
मूढै: पाषाणखण्डेषु रत्नसंज्ञा विधीयते।।1।।

सत्येन धार्यते पृथ्वी सत्येन तपते रवि:।
सत्येन वाति वायुश्च सर्व सत्ये प्रतिष्ठितम्।।2।।

दाने तपसि शौर्ये च विज्ञाने विनये नये।
विस्मयो न हि कर्त्तव्यो बहुरत्ना वसुन्धरा।।3।।

सद्भिरेव सहासीत सद्भिः कुर्वीत सङ्गतिम्।
सद्भिर्विवादं मैत्रीं च नासद्भि: किञ्चिदाचरेत्।।4।।

धनधान्यप्रयोगेषु विद्याया: संग्रहेषु च।
आहारे व्यवहारे च त्यक्तलज्ज: सुखी भवेत्।।5।।

क्षमावशीकृतिर्लोके क्षमया किन् न साध्यते।
शान्तिखड्गः करे यस्य किन् करिष्यति दुर्जनः।।6।।

AKSHAY SANDIP WELES

STANDARD- 6(A)

लालबगीतम्!

उदिते सूर्ये धरणी विहसति।
पक्षी कूजति कमलं विकसति।।1।।

नदति मन्दिरे उच्चैर्ढक्का।
सरितः सलिले सेलति नौका।।2।।

पुष्पे पुष्पे नानारदः।
तेषु डयन्ते चित्रपतदः।।3।।

वृक्षे वृक्षे नूतनपत्रम्।
विविधैर्वर्नैर्विभाति चित्रम्।।4।।

धेनु: प्रातर्यच्छति दुग्धम्।
शुद्धम् स्वच्छ मधुरं स्निग्धम्।।5।।

गहने विपिने व्याघ्रो गर्जति।
उच्चैस्तत्र च सिंहः नर्दति।।6।।

हरिणोड्यं खादति नवघासम्।
सर्वत्र च पश्यति सविलासम्।।7।।

उष्ट्रः तुग्ड मन्दम् गच्छति
पृष्ठे प्रचुरं भारं निवहति।।8।।

घोटकराजः क्षीप्रम् धावति।
धावनसमये किमपि न खादति।।9।।

पश्यत भल्लुकमिमं करालम्।
नृत्यति थथथै कुरु करतालम्।।10।।

सदाचारः

आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान् रिपुः।
नास्त्युध्मसमो बन्धुः कृत्वा यं नावसीदति।।1।।

श्वः कार्यमच्य कुर्वीत पूर्वाह्ले चापराहिकम् ।
नहि प्रतीक्षते मृत्यु: कृतमस्य न वा कृतम्।।2।।

सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रूयात् न ब्रूयात् सत्यमप्रियम् ।
प्रियं च नानृतं ब्रूयात् एष धर्म: सनातन:।।3।।

सर्वदा व्यवहारे स्यात्त् औदार्य सत्यता तथा।
ऋजुता मृदुता चापि कौटिल्यं न कदाचन।।4।।

श्रेष्ठ जनं गुरुं चापि मातरं पितरं तथा।
मनसा कर्मणा वाचा सेवेत सततं सदा।।5।।

मित्रेण कलहं कृत्वा न कदापि सुखी जनः।
इति ज्ञात्वा प्रयासेन तदेव परिवर्जयेत्।।6।।

AKSHAY SANDIP WELES

STANDARD- 6(A)

अध्यानं जीवनस्य दीपम्

अध्यानं जीवनस्य दीपम्

ज्ञानस्य मार्गदर्शिका छाया।

निरन्तरं यः पठति श्रमः,

सफलता पायाति निश्चितं।

वृद्धिं लभ्यते कर्मण्यः,

विस्तारं यः ज्ञानवृद्धेः।

शब्देन्द्रियं विस्मृतं न कदापि,

अध्यानं नयति सर्वोत्तमं ।

ज्ञानं ब्रह्म समं यत्र,

तेन जीवनं प्रकाशितम्।

उज्जवलं मार्गदर्शकं,

अध्यानं धर्मपत्नी समम् ।

नाम : दी. श्री हिन्दु , कक्षा : 6 'अ'

हैदराबादी हलीम

परिचय

हैदराबादी हलीम (भारतीय हैदराबादनगरे लोकप्रियस्य हलीमस्य एकः प्रकारः अस्ति । हलीम इति मांसेन, मसूरेण, मसूरेण, कुटितगोधूमेन च निर्मितः स्टूः अस्ति, यः मोटः पेस्टः भवति । मूलतः एतत् अरबीव्यञ्जनम् अस्ति, हैदराबादराज्ये च... निजामानां शासनकाले चौशजनाः (हैदराबादराज्यस्य पूर्वशासकाः स्थानीयपारम्परिकमसालानां सहायतां कृतवन्तः क unique Hyderabadi haleem evolve, यत् २० शताब्द्याः यावत् देशीयानां हैदराबादीनां मध्ये लोकप्रियं जातम् ।

हैदराबादी बिरयानी इत्यनेन सह हलीमस्य निर्माणस्य तुलना कृता अस्ति । यद्यपि हैदराबादी-हलीम-इत्येतत् विवाहेषु, उत्सवेषु, अन्येषु सामाजिकेषु अवसरेषु च पारम्परिकं भोजनं भवति तथापि इस्लामिक-रमजान-मासे इफ्तार-समये (दिवसस्य उपवासं भङ्गं कुर्वन् सायंभोजनं) विशेषतया अस्य सेवनं भवति यतः अत्र कैलोरी अधिका भवति अस्य सांस्कृतिकमहत्त्वं लोकप्रियतां च स्वीकृत्य २०१० तमे वर्षे भारतीयजीआइएस-पञ्जीकरणकार्यालयेन भौगोलिकसूचकपदवीं (GIS) प्रदत्तम्, येन भारते एतत् प्रथमं शाकाहारीव्यञ्जनं प्राप्तम् २०२२ तमस्य वर्षस्य अक्टोबर्-मासे हैदराबादी-हलीम-इत्यनेन खाद्य-वर्गे 'सर्वाधिक-लोकप्रिय-जी.आइ.' इति पुरस्कारः प्राप्तः, यत् मतदान-व्यवस्थायाः माध्यमेन चयनितम् आसीत् यत् उद्योग-आन्तरिक-व्यापार-प्रवर्धन-विभागेन (वाणिज्य-उद्योग-मन्त्रालयस्य अन्तर्गतम्) संचालितम् आसीत्

इतिहास

मुख्य लेखः हलीम

हलीमस्य उत्पत्तिः अरबीव्यञ्जनरूपेण अभवत् यत्र मांसं, गोधूमं च मुख्यं भवति । षष्ठस्य निजामस्य महबुब अलीखानस्य शासनकाले अरबप्रवासीभिः हैदराबादनगरे अस्य प्रवेशः कृतः, अनन्तरं सप्तमनिजामस्य मीर उस्मान अलीखानस्य शासनकाले

हैदराबादीभोजनस्य अभिन्नः भागः अभवत् यमनदेशस्य हद्रमौतस्य मुकल्लानगरस्य अरबप्रमुखः सुल्तानसैफनवाजजङ्गबहादुरः सप्तमनिजामस्य दरबारीकुलीनवर्गस्य मध्ये आसीत्, सः हैदराबादनगरे लोकप्रियतां प्राप्तवान् मूलव्यञ्जने स्थानीयस्वादानाम् योजनेन अन्यप्रकारस्य हलीमस्य स्वादः भिन्नः अभवत् ।

प्रेप्सति

मिश्रितगोधूमदालादिकणिकाः ।

परम्परागतरूपेण हैदराबादी-हलीम् भट्टी (इष्टका-पङ्क-भट्ट्या आच्छादित-कड़ाही) इत्यत्र १२ घण्टापर्यन्तं दारु-ज्वालायां न्यून-ज्वालायां पच्यते एकं वा द्वौ वा जनाः तस्य निर्माणकाले काष्ठपट्टिकाभिः निरन्तरं क्षोभयितुं आवश्यकाः भवन्ति । गृहे निर्मितस्य हैदराबादी-हलीमस्य कृते घोटनी (काष्ठस्य हस्त-माशरः) इत्यस्य उपयोगः भवति यत् यावत् सः कीट-मांसस्य सदृशं चिपचिप-स्निग्ध-स्थिरतां न प्राप्नोति तावत् यावत् क्षोभयति

तत्व

हैदराबादी हलीमस्य निर्माणे प्रयुक्ताः मसालाः

सामग्रीषु मांसं (बकमांसम्, गोमांसम् अथवा कुक्कुटमांसम्) अन्तर्भवति; कुट्टितं गोधूमम्; घृत–(घृतात् निर्मितं क्षीरमेदः, स्पष्टं घृतम् इति अपि उच्यते); दुग्धं; मसूरम्; अदरकस्य लशुनस्य च पेस्ट्; हरिद्रा; लालमिरिचस्य मसालाः यथा जीरा, कारवेबीजाः (शाहजीरा), दालचीनी, इलायची, लौंगः, कालीमरिचः, केसरः, गुड़ः, प्राकृतिकगुञ्जः, मसाला (कबाबचीनी) पिष्टकाजूपिप्पलीबाNEEदामादिशुष्कफलानि च। घृताधारितं ग्रेवी, चूर्णखण्डाः, कटा धनिया, कटितं क्वाथं अण्डं, तप्तप्याजं च अलङ्काररूपेण उपरि उष्णं परोक्ष्यते।

P.SAI KIRAN GOUD
CLASS XB

टप् ,टप्, गप्, गप्

निपतति जम्बूः टप् टप्

बालः खादति गप् गप्

वायुः प्रवहति हर् हर्

पत्रं निपतति खर् खर्

विहगो ब्रूते चुन् चुन्

भ्रमरो गुंजति गुन् गुन्

गन्त्री गच्छति धक् धक्

- अंगावरती प्राजक्ताची

फुले

बी भव्यश्री , कक्षा 10 अ

मम माता

ईश्वरः अस्माकं कृते मातरं सृष्टवान्, अस्माकं पालनं कर्तुं।

कथं त्वं सर्वदा ऊर्जावान् भवेयसि, दिनात् रात्रौ कार्यं कुर्वन्।

भवतः विश्वासःमां सर्वदा प्रेरयति स्म,

मम लक्ष्याणि विना किमपि चिन्ता द्रष्टुं।

भवतः बालकस्य प्रति भवतः प्रेम, परिचर्या च,

कदापि मां अधः न अनुभवति।

भवतः कारणात् मम मातः।

सर्वं जगत् त्वयि लभे, .

अहं त्वां विना जीवितुं कल्पयितुं न शक्नोमि।

तव व्यक्तित्वं पक्षं ददाति, .

विना किमपि दबावं स्वप्नं द्रष्टुं प्रेरयति।

सर्वं अहं बोधयितुम् इच्छामि,

अहं त्वां विना अपूर्णः अस्मि, .

भवतः दूरं गन्तुं चिन्तयितुं न शक्नोति।

त्वं मम कृते देवात् महत्तरः, .

धन्यवादः देवः यत् मम माता दत्तवान्।

सर्वेभ्यः मम्मभ्यः नमस्कारः...भवतां त्यागानां कृते।

नाम- मानसी सिन्हा

कक्षा- १० "अ"

विद्यालयस्य महिमा

विद्यालयः ज्ञानदायको दीपः,
यत्र वर्धते जीवनस्य रूपः।
विद्यार्थिनां चितः प्रबोधयन्,
सर्वत्र हर्षं प्रकाशयन्।
शिक्षकाः आदर्शः पथप्रदर्शकाः,
योजनायां च कार्यकुशलाः।
सत्यमेव जयते सूत्रं शिक्षयन्ति,
संस्काराणि जीवनं विभूषयन्ति।
क्रीडायां उत्साहं जागरयन्ति,
कलायां सृजनं प्रेरयन्ति।
गणनायां तर्कं विस्तारयन्ति,
साहित्ये भावनां संचारयन्ति।
अतः विद्यालयं तीर्थं महानं,
यत्र लभ्यते जीवनस्य ज्ञानं।
सर्वे वयं तत्र समुज्ज्वलाः,
आगामि कालस्य निर्मातारः।

आराध्या सकलानि
कक्षा-VI (अ)

डोसा

आमुख

डोसा, डोज, डोसाई, दोषः वा भारतीयभोजने कृशः, स्वादिष्टः क्रेपः भवति, यः पिष्टकृष्णचणानां, तण्डुलानां च किण्वितपिष्टकात् निर्मितः भवति । डोसा उष्णतया परोक्ष्यते, प्रायः चटनी, साम्बर (मसूर-आधारितः शाक-स्टू) च सह । दक्षिणभारते डोसः सामान्यभोजनम् अस्ति ।

इतिहास

केलपत्रे घृतस्य एकस्य गुच्छस्य पार्श्वे द्वौ डोसा अवलम्बन्ते : चटनीषु पृथक् पृथक् धनुषः भवति ।

मसालेन सह साधारणाः डोसाः

घृतदोसा नारिकेले चटनीसंभरेन सह सेवितः ।

अस्य डोसायाः उत्पत्तिः दक्षिणभारते अभवत्, परन्तु तस्य सटीकं भौगोलिकं उत्पत्तिः अज्ञाता अस्ति । खाद्य-इतिहासकारस्य के.टी.अचायस्य मते संगम-साहित्ये विद्यमानाः सन्दर्भाः सूचयन्ति यत् प्राचीनतमिलदेशे प्रथमशताब्द्याः ई.पू. परन्तु इतिहासकारः पी.थनप्पन नायरस्य मते वर्तमानकर्णाटकस्य उडुपी-नगरे डोसस्य उत्पत्तिः अभवत् । अचायस्य कथनमस्ति यत् वर्तमानतमिलनाडुराज्यस्य अष्टमशताब्द्याः साहित्ये डोसस्य प्रारम्भिकः लिखितः उल्लेखः दृश्यते, कन्नडसाहित्ये तु डोसस्य प्रारम्भिकः उल्लेखः एकशताब्दपश्चात् दृश्यते ।

दक्षिणभारतात् बहिः लोकप्रियपरम्परायां डोसा-उत्पत्तिः उडुपी-नगरेण सह सम्बद्धा अस्ति, सम्भवतः उडुपी-भोजनागारैः सह व्यञ्जनस्य सम्बद्धतायाः कारणात् तमिल-डोसा परम्परागतरूपेण मृदुतरं, स्थूलतरं च भवति; डोसस्य पतलतरं, कुरकुरातरं च संस्करणं प्रथमवारं वर्तमानकर्नाटकदेशे निर्मितम् । वर्तमानकर्णाटकात् शासनं कृतवान् सोमेश्वरतृतीयेन संकलिते १२ शताब्द्याः संस्कृतविश्वकोशे मनसोल्लासस्य नुस्खा डोसस्य नुस्खा प्राप्यते

१९३० तमे वर्षे उडुपी-भोजनागारस्य उद्घाटनेन सह डोसा मुम्बईनगरम् आगता । १९४७ तमे वर्षे भारतस्य स्वातन्त्र्यानन्तरं दक्षिणभारतीयभोजनं क्रमेण उत्तरभारते लोकप्रियं जातम् । नवीदिल्लीनगरे कनाट् प्लेस् इत्यस्मिन् मद्रासहोटेल् दक्षिणभारतीयभोजनं परोक्ष्यमाणेषु प्रथमेषु भोजनालयेषु अन्यतमम् अभवत् ।

दक्षिणभारतीयभोजनस्य अन्येषां बहूनां व्यञ्जनानां इव डोसाः आङ्ग्लशासनकाले दक्षिणभारतीयप्रवासीभिः सिलोन्-देशे (श्रीलङ्का) प्रवर्तन्ते स्म । तत्र निवसन्तः तिरुनेलवेली, तुतिकोरिन् च व्यापारिणः प्रारम्भे प्रवासीजनसङ्ख्यायाः आवश्यकतानां पूर्तये भोजनालयाः (शाकाहारीहोटेलाः) उद्घाट्य दक्षिणभारतीयपाकशास्त्रस्य सम्पूर्णे द्वीपे प्रसारणे योगदानं दत्तवन्तः डोसा श्रीलङ्का-जनानाम् पाक-अभ्यासेषु मार्गं प्राप्तवान्, यत्र सः द्वीप-विशिष्ट-संस्करणरूपेण विकसितः यत् भारतीय-दोसा-तः सर्वथा भिन्नम् अस्ति उभयरूपेण सिंहले श्रीलङ्का-तमिलभाषायां च तानि (තෝසේ अथवा [t̪o:se]) अथवा थोसै (**தோசை** अथवा [t̪o:saɪ̯]) इति उच्यते ।

एतेषां देशानाम् अतिरिक्तं १८ शताब्द्याः आरम्भात् दूरविदेशेषु तमिलप्रवासिनः दक्षिणपूर्व एशियायां पश्चात् पश्चिमविश्वे च प्रवासेन, तथा च भारतीयदक्षिणभारतीयव्यञ्जनानां विश्वव्यापी लोकप्रियतायाः माध्यमेन १८ शताब्द्याः आरम्भात् आरभ्य डोसा-प्रवर्तनं कृतम् २० शताब्दी।

नामानि

भोजनालये चटनीसहितं डोसा, साम्बरं च सॉटेड् आलूपूरणेन सह

डोसा सॉटेड् आलूभिः सह परोक्ष्यते

डोसा इति पक्वान्नस्य विभिन्नानां दक्षिणभारतीयनामानाम् आङ्ग्लीकृतं नाम, यथा तमिलभाषायां डोसाई, कन्नडभाषायां डोसेय, मलयालमभाषायां दोषः च

विभिन्नेषु दक्षिणभारतीयभाषासु अस्य शब्दस्य मानकलिपिः उच्चारणं च अस्ति : १.

भाषा लिप्यंतरण उच्चारण (IPA)

तमिलः தோசை dōsai [d̪o:saɪ̯] ।

कन्नडः ದೋಸೆ dōse [d̪o:se] ।

मलयालम्: ദോശ dōśha [d̪o:ʃa] ।

तेलुगुः దోస దోసా [d̪o:sa] ।

पोषण

डोसा कार्बोहाइड्रेट् अधिकं भवति, तत्र शर्कराः न योजिताः । यतो हि अस्य प्रमुखाः अवयवाः तण्डुलाः, कृष्णचनाः च सन्ति, अतः एतत् प्रोटीनस्य उत्तमः स्रोतः अस्ति । तैलरहितस्य विशिष्टस्य गृहनिर्मितस्य साधारणस्य डोसस्य प्रायः ११२ कैलोरी भवति, येषु ८४% कार्बोहाइड्रेट्, १६% प्रोटीन् च भवति । किण्वनप्रक्रियायां विटामिन-बी-विटामिन-सी-सामग्री वर्धते ।

प्रेप्सति

तण्डुलस्य श्वेतचनस्य च मिश्रणं यत् न्यूनातिन्यूनं ४-५ घण्टापर्यन्तं जले सिक्तं भवति तत् सूक्ष्मतया पिष्ट्वा पिष्टकं भवति । केचन पिष्टकं पिष्ट्वा किञ्चित् सिक्तं मेथीबीजं योजयन्ति । तण्डुलानां मसूरस्य च अनुपातः सामान्यतया ३:१ अथवा ४:१ भवति । लवणं योजयित्वा पिष्टकं रात्रौ यावत् किण्वनं कर्तुं शक्यते, ततः पूर्वं जलेन सह मिश्रयित्वा इष्टं स्थिरतां प्राप्तुं शक्यते । ततः पिष्टकं उष्णतवायां वा तैलेन घृतेन वा स्निग्धं ग्रिलं वा स्थापयति । स्रुचस्य आधारेण वा कटोरे वा प्रसारितं कृत्वा प्यानकेकं भवति । प्यानकेक इव स्थूलं वा, कृशं, कुरकुरा वा कर्तुं शक्यते । डोसः उष्णः अर्धगुटितः वा वेष्टनवत् लुलितः वा सेव्यते । प्रायः चटनी, साम्बर च सह सेव्यते । श्वेतचणानां तण्डुलानां च मिश्रणस्य स्थाने अत्यन्तं परिष्कृतं गोधूमपिष्टं वा सूजीं वा स्थापयितुं शक्यते ।

K.SANDEEP NAYAK
CLAAS XB
ROLL NO 28

योगस्य महत्वम्

संसारे मानवः यदि धर्मं, अर्थं, कामं मोक्षं च साधयितुं इच्छति तर्हि तस्य कर्तव्यं भवति यत् स शरीरस्य रक्षां कुर्यात् । यथा शरीरस्य रक्षायै उचितं भोजनम्, उचितश्च व्यवहारः आवश्यकः अस्ति, तथैव शरीरस्य स्वास्थाय योगः अपि आवश्यकः अस्ति ।

अस्माकं देशस्य योग दर्शनस्य प्रणेता महर्षि पतञ्जलिना समाधि पादस्य द्वितीय सूत्रे प्रतिपादितः यत् -"योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः" अर्थात् योग माध्यमेन मानसिक वृत्तिनां नियन्त्रणम् करणीयम् ।

"**योगः कर्मसु कौसलम्**" इति भगवद्गीतायां उल्लिखितः ।

वेदान्तानुसारेण -**जीवात्मा परमात्मयोः संपूर्ण मेलनं योगः** ।

वर्तमान परिप्रेक्षये योगस्य आवश्यकता-

अद्यत्वे पूर्वापेक्षया योगस्य अधिका आवश्यकता वर्तते। पूर्वं पर्यावरणं, आहार-अभ्यासाः, जीवनशैली, अद्यतनस्य तुलने सर्वं अतीव स्वाभाविकम् आसीत्, परन्तु अद्य दूषितं पर्यावरणं, प्रदूषितं वातावरणं, फास्ट्-फूड् तथा डिब्बाबन्द-खाद्य-वस्तूनि, विटामिन-प्रोटीन-रहित-आहारः, परिवर्तनशील-पर्यावरणं विकृत-मानसिकता च, एतानि सर्वाणि अस्माकं समग्रं प्रभावं कृतवन्तः । अद्यत्वे वैज्ञानिकाः अनेकानि सुविधानि प्रदत्तवन्तः तथापि तेषां विपरीत प्रभावेन अस्माकं स्वास्थ्ये नकारात्मकता अपि आगतवती अस्ति । एतेषां सर्वेषां कारणात् अद्यत्वे योगशिक्षायाः महती आवश्यकता वर्तते। यतः योगद्वारा वयं न केवलं वर्तमानपीढीयाः अपितु आगामिनां पीढीनां कृते अपि सम्यक् चिन्तनं सन्मार्गं च दातुं शक्नुमः।

योगेन व्यक्तिः किं किं परिणामः प्राप्यते?

- श्वसनस्य नियन्त्रणं शरीरं दृढं करोति।
- ध्यानेन मानसिकं स्थिरता प्राप्यते। भावनात्मकसन्तुलनं निर्मातुं साहाय्यं करोति - सुखदुःखयोः सम्मानस्य अपमानस्य च चिन्ता न भवति ।
- मनोवैज्ञानिकरूपेण उत्तमं भावः, जीवनेन सह सुखी भवितुं, समाजेन सह सम्यक् सम्बद्धः भवितुं, कल्याणकारी कार्येषु सन्तुष्टिः अनुभवितुं शक्नुमः।
- सर्वे शाश्वतमूल्यानि, सत्यं, धर्मः, शान्तिः, प्रेम, अहिंसा च अस्माकं जीवनं सर्वदा सुखदं कुर्वन्ति तथा च एतेषां अनुसरणं कृत्वा वयं आध्यात्मिकताम् अनुभवितुं शक्नुमः।

योगमाद्यमेन शरीरस्य अङ्गानां विकासो भवति । यतः-व्यायामेन शरीरे रक्तं सम्यक्तया संचरति ।यदा नरः व्यायामं करोति तदा तस्य शरीरे शुद्धवायुः फुस्फुसानाम् अन्तर्मार्गेण

प्रविशति । तेन रक्तस्य गतिः तीव्रा भवति, रक्तं च तेन शुद्धयति।मनुष्यस्य अङ्गानि सुदृढानि भवन्ति, शरीरं च सुन्दरं भवति । स्वस्थः पुरुषः सर्वविधं कार्यं कर्तुं शक्नोति । तस्य मस्तिस्कं सदैव क्रियाशीलं जायते ।व्यायामेनैव जठराग्निः स्निग्धं गरिष्ठं च भोजनं पक्त्वा तस्य रसं शरीरे प्रेषयति । रोगाः च दूरे पलायन्ते ।अतः सर्वैः मानवैः प्रत्येकं वयसि अवश्यमेव यथाशक्तिं व्यायामः कर्तव्यः।

योगः अथवा व्यायामः कदा कुत्र कीदृशश्च कर्तव्यम् इत्यपि विचारणीयम् ।

प्रातःकाले सूर्योदयात् प्राक् उत्थाय उद्यानेषु क्षेत्रेषु वा, नदीतीरेषु सुरम्य पर्वतेषु अथवा रम्यासु वनस्पतीषु व्यायामः कर्त्तव्यः। एवमेव सायंकालेऽपि व्यायामः कर्त्तव्यः । व्यायामः बहुविधो वर्तते। यथा-भ्रमणम्, मल्लयुद्धम्, मुद्गर भ्रामणम् भारोत्तोलनम्, दण्ड-उपवेशनस्थित्यादयः। अथ च दण्डक्रीडा, कन्दुक क्रीडादयोऽपि व्यायामसाधकाः। वयोऽनुकूलम् बाल्येदण्डक्रीडा कन्दुकक्रीडादिभिः व्यायामोऽपि भवति मनः च तुष्यति। यौवने उपरिकथितः सर्वविधः व्यायामः आचरितुं शक्यः। वार्धक्ये च साधारणतया अंगसंचालनं भ्रमणं च श्रेष्ठौ व्यायामौ वर्तते।
भारतीयः मल्लः गामा-महोदयः व्यायामेनैव विश्व-विजयपदं प्राप्य महद यशः अलभत। अद्येन्वेऽपि दारासिंहः पूर्वं मल्लयुद्धादिभिः इदानीं च चलचित्रेषु व्यायाम-प्राप्त-सुदृढ़ेन शरीरेणैव अभिनयादिभिः ख्याति धनं च लभनोऽस्ति । भारतकेसरी चंदणीरामोऽपि मल्लविद्यया कीर्तिम अलभत्। अतः सुखपूर्वकं जीवनं यापयितुं पुरुषैः सर्वदा व्यायामः करणीयः।

* केनचित् योगिनः उक्ताः सन्ति-

योगं वदान्यै बल बुद्धि श्रेष्ठं पौरुष भवेत सदचित्त सौख्यं ।
आत्मं परमात्मं भवतां नरेणं क्षेमं च श्रेय योगं सुधीनः ।।

अर्थात् योग एव जीवने एकमात्रं मार्गं यया पुरुषः बल,बुद्धि,श्रेष्ठता,पौरुषं, सद्शीलं च पञ्च उत्तमगुणान् प्राप्नोति।योगेन एव मनुष्यः साधारण स्तरात् उपरि उत्थाय आत्मानं ईश्वरं च प्राप्तुं सामर्थ्यं प्राप्नोति तथा च अनेन एव व्यक्तिः कल्याणं, मङ्गलं, ध्यानं च प्राप्नोति।

संस्कृत विभागाध्यक्षः -नवीन कुमार सूत्रकारः
(प्रशिक्षित स्नातक शिक्षकः)

कला

Art

सरस्वती देवी

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA CRPF, BARKAS HYDERABAD.

Creative Fine Arts

INTENSIVE WORK SHOP ON DRAWING ,PAINTING & SCULPTURE FOR CHILDREN

ON 4th & 5th OCTOBER ,2024

VENUE : ATAL TINKERING LAB

CHILD AND ART

"Art is the Language of the Mute"

ART develops the aesthetic sense , touching upon the finer senses of human mind marching towards the boarder outlook of humaneness. ART finds its best expression through an apt opportunity .

Children draw and paint before they begin to write letters . Their paintings highlights their hopes , aspirations and reveal their emotions , sentiments and other inborn qualities .
Art is unique in its place ,developing intrinsic qualities .

The child is free to express his/her own mind with the material available around. This in turn makes the child more confident , fun loving and innovatie in his/her own world. A slow learner in academics may be an expert in field of ART.

ART is a language through which a person can be better expressed . the different strokes made by a child in ART reveals the positive and negative attitudes of a child.

"A thing of beauty is a joy forever .
Heard melodies are sweet ,but those unheard in the field of art are more sweeter"

G.JAYANNA
Co-ordinator
Art Teacher ,KVCRPF
BARKAS.

GPD CHRISTY
PRINCIPAL
KVCRPF ,BARKAS.

INVITATION

INAUGURATION

4th October 2024 - 9.00a.m & 10.00a.m.

CHIEF GUEST

KALARATANA PROFESSOR

S.M.PEERAN

JNFAU PRINCIPAL (RTD) ,HYD

SRI - GPD CHRISTY

PRINCIPAL KVCRPF

SRI P.NARESH

EMINENT ARTIST

SRI M. SURYANAGENDRAM

H.M K.V.CRPF

CO.ORDINATORS

Smt. Susheela TGT

Shri. R.Bhasker LIB

Shri. R.Rahul PRT

SUBJECT EXPERTS

Shri.P.Naresh artist

Shri.C.Krishna artist

Smt. Manjula Rani artist

Shri.D.Prasad Rao artist

1st Day
04 -10 - 2024

09:00 - 10:00 AM	INAUGURATION
10:00 - 10:15 AM	TEA BREAK
10:15 - 11:30 AM	BASIC DRAWING & PRINCIPLES
11:30 - 12:00 PM	LUNCH BREAK
12:00-01:00 PM	COLLAGE WORK
01:10-02:40 PM	PRINT MAKING & MASK MAKING

2nd Day
05-10 - 2024

09:00 - 10:00 AM	CREATIVE PAINTING & GLASSWORK
10:00 - 10:10 AM	SMALL BREAK
10:10 - 11:30 AM	SIMPLE SCULPTURE
11:30 - 12:00 PM	LUNCH BREAK
12:00-01:00 PM	IMPRESSION: VEGETABLE & FINGERTIPS
01:10-02:40 PM	CLAY MODELING & MASK MAKING

कला कार्यशाला का उद्घाटन

प्रधानाध्यापक महोदय का सम्मान

अतिथियों का मार्गदर्शन

विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी

P.M. SHRI KENDRIYA VIDYALAYA CRPF BARKAS, HYDERABAD
Creative Fine Arts
INTENSIVE WORK SHOP ON DRAWING, PAINTING & SCULPTURE FOR CHILDREN
ON 04.10.2024, 9:00 - 10:00 AM
4.10.2024

स्मृति चिह्न

कलाविदों का सम्मान

मंचासीन निदेशक मण्डल

सरदार वल्लभ भाई पटेल

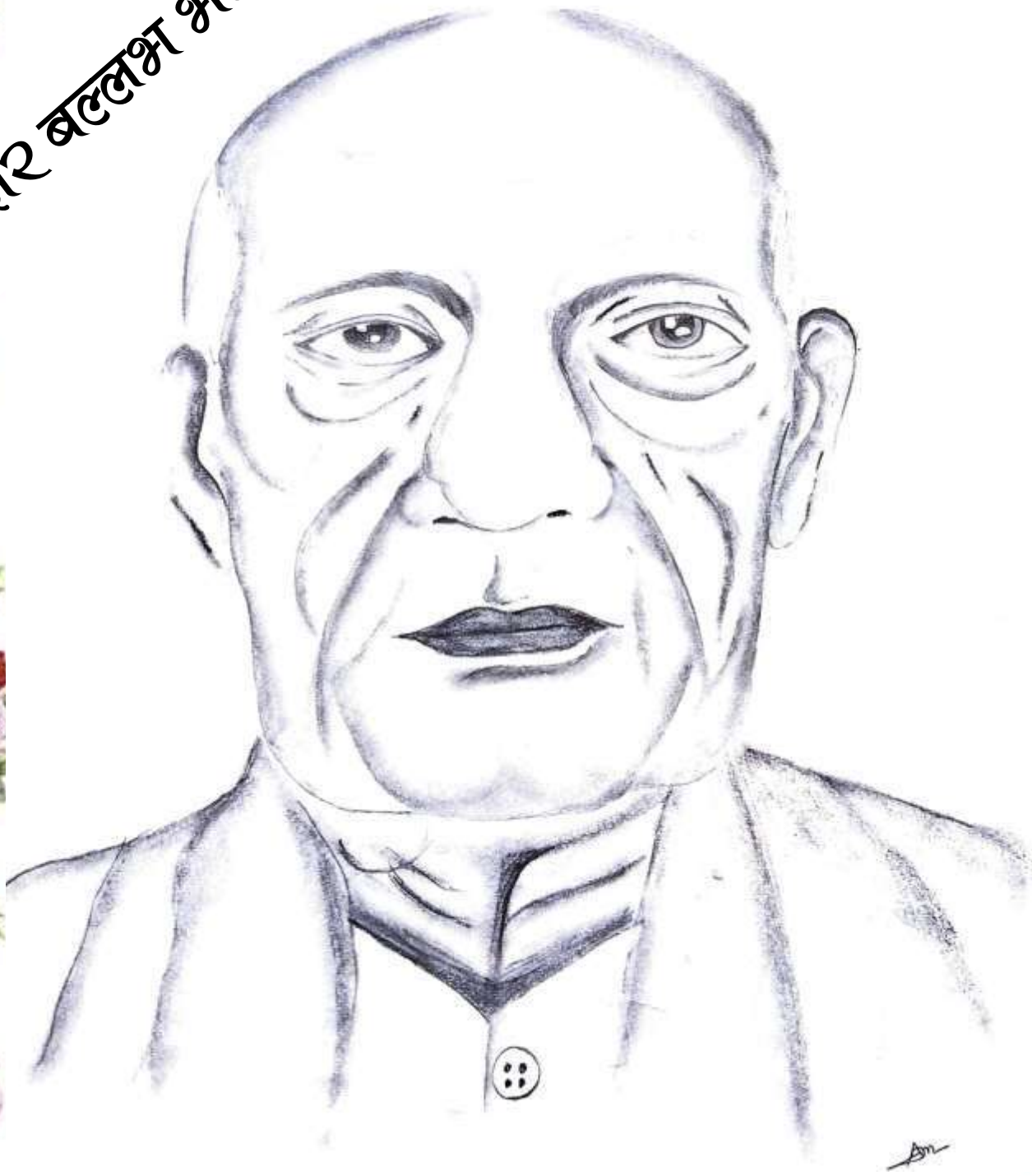

द्वारा : अनुष्का मण्डल,

कक्षा 10 'ब'

एक भारत
श्रेष्ठ भारत
WE
ARE
ONE
STATUE OF UNITY
Abhilasha
6 'C'

अक्षरा 7 'ब'

जी. मानस्वी, 7 'ब'

हम सब एक हैं ।
Proud to be an Indian
Let's Celebrate our Unity
Name:- D. Aarohini
VI C

राष्ट्रीय एकता दिवस

NATIONAL UNITY DAY
ॐ
हम सब
एक हैं

NATIONAL UNITY DAY

राष्ट्रीय एकता दिवस

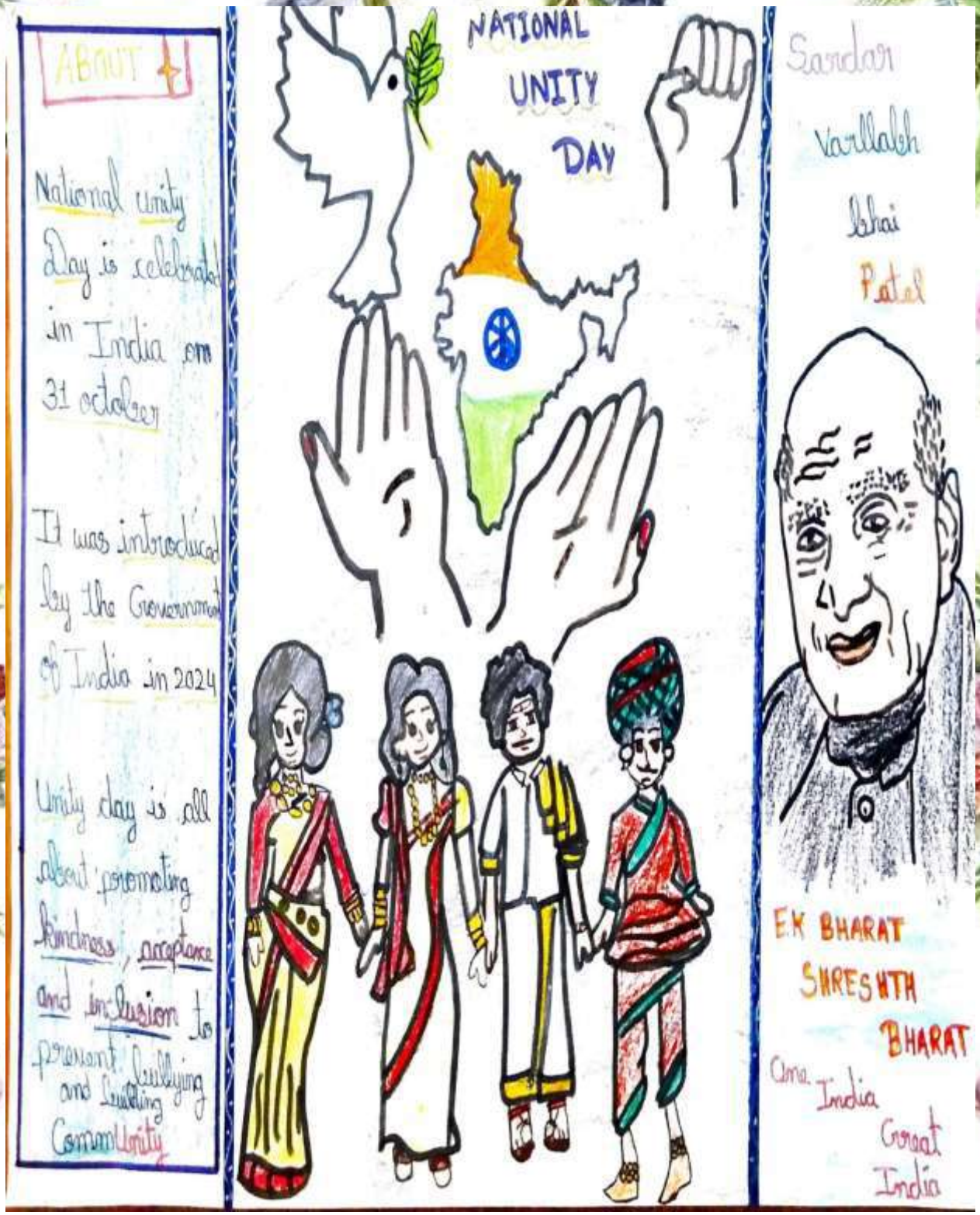

एक भारत श्रेष्ठ भारत (राष्ट्रीय एकता दिवस)

अँग्रजी

English

The Power of Silence:

Unlocking the Hidden Potential of Quiet Moments

- In a world dominated by noise — be it the constant hum of technology, the roar of traffic, or the chatter of social media — silence is becoming an increasingly rare commodity. Yet, silence is more than just the absence of sound; it is a powerful tool for personal growth, focus, and creativity. In this article, we explore the remarkable benefits of silence and why embracing quiet moments in our lives can lead to greater success and well-being.
- Silence has long been regarded as a source of reflection and inner peace. The ancient Greek philosopher Pythagoras famously said, "Silence is better than unmeaning words." This simple yet profound idea reflects the importance of quietness in allowing our minds to process thoughts without the distractions of constant noise. In today's fast-paced society, where external stimuli compete for our attention, silence offers a rare opportunity for introspection. It is in these quiet moments that we often find clarity, uncover solutions to problems, and gain insight into our true desires.
- Beyond mental clarity, silence also plays a significant role in improving focus. Studies have shown that working or studying in a quiet environment leads to increased productivity and better retention of information. A 2013 study conducted by the University of California found that individuals who worked in silence performed better on tasks that

required concentration than those exposed to background noise. As the renowned author Susan Cain puts it, “Quiet is not the absence of sound, but the presence of a state of mind.” For many, silence enables them to access a deeper level of concentration, allowing them to perform tasks with precision and accuracy.

- Moreover, silence fosters creativity. When the noise of the outside world fades away, our minds have the freedom to wander and explore new ideas. Artists, writers, and musicians often seek solitude to nurture their creativity, as silence offers an uninterrupted space for the imagination to thrive. In fact, some of the most groundbreaking works of art and literature have been created in moments of solitude, where silence acted as the canvas for new ideas to emerge. "In the silence, I find my voice," says renowned author Maya Angelou, emphasizing how essential quiet is for the creative process.
- The therapeutic benefits of silence are equally compelling. In a world where stress is often a daily companion, silence can serve as a balm for the mind. Meditation, for example, relies on quiet to help individuals achieve a state of calm and mindfulness. By reducing external noise, we allow ourselves to tune into our inner world, leading to a reduction in stress and anxiety. Research published in the *Journal of Clinical Psychology* found that regular meditation practice significantly lowers levels of cortisol, the stress hormone. Silence, therefore, becomes not only a tool for mental clarity but also a means of emotional healing.

- **Despite its many advantages, silence is often undervalued in modern society. We may feel uncomfortable with prolonged periods of quiet because they challenge our need for constant stimulation. However, embracing silence as a regular part of our daily routine can lead to profound improvements in our mental, emotional, and creative lives.**
- **In conclusion, silence is far from an empty void. It is a powerful and transformative force that nurtures our minds, sharpens our focus, and sparks creativity. As we continue to navigate the noise-filled world around us, we would do well to remember the words of the writer William Penn: "True silence is the rest of the mind, and is to the spirit what sleep is to the body." Let us, then, embrace the gift of silence and unlock its vast potential for growth and transformation.**

The Rise of AI Technology: Transforming the Future

Artificial Intelligence (AI) is no longer just a concept of science fiction; it's a revolutionary technology that is already reshaping the world around us. From personal assistants like Siri and Alexa to autonomous vehicles and healthcare advancements, AI is becoming an integral part of our daily lives. But what exactly is AI, and why is it so significant?

What is AI?

At its core, AI refers to systems or machines that mimic human intelligence, allowing them to perform tasks like learning, problem-solving, and decision-making. Unlike traditional software, which follows predefined instructions, AI systems improve over time by learning from data. This ability to evolve is powered by techniques such as machine learning, where algorithms recognize patterns and make predictions based on vast datasets.

AI in Everyday Life:

- **Virtual Assistants**
- **Personalized Recommendations**
- **Healthcare**
- **Finance**

In conclusion, AI is one of the most exciting and transformative technologies of our time. While it presents significant opportunities, it also requires careful consideration of its societal impacts. As AI becomes more integrated into every aspect of our lives, it's crucial that we develop it responsibly, ensuring that it benefits humanity as a whole.

C.KEERTHANA

XI

Fashion Trends of Today's Generation: A Blend of Comfort, Expression, and Sustainability

The fashion landscape of today's generation is a dynamic mix of innovation, sustainability, and a deep connection to self-expression. Gone are the days when trends were dictated solely by high fashion runways. Now, fashion is shaped by social media, street style, and a desire for inclusivity. From the growing demand for eco-friendly clothing to the embrace of diverse cultural influences, here's a look at the key fashion trends defining today's youth.

Sustainable and Ethical Fashion-Sustainability is one of the most significant trends among today's generation. Young people are more aware than ever of the environmental and social impact of their clothing choices. Fast fashion, once the go-to for affordable, trendy clothes, is facing growing criticism for its harmful impact on the planet. As a result, sustainability has become a major priority for many young shoppers.

- **Thrift Shopping and Upcycling:** Thrift stores, consignment shops, and secondhand marketplaces are thriving, allowing people to find unique pieces while reducing waste.
- **Eco-Friendly Brands:** Many fashion brands are now using sustainable materials such as organic cotton, hemp, recycled polyester, and even plant-based fabrics like Tencel.
- **Slow Fashion:** Emphasizing quality over quantity, slow fashion advocates for buying fewer, but higher-quality pieces that last longer and are better for the environment.
- **Key Example:** Brands like Patagonia, Reformation, and Allbirds have become leaders in ethical fashion, offering stylish yet sustainable options.

- **Streetwear: Bold, Edgy, and Influential-**

1. **Vintage and Retro: Sustainability Meets Style**
2. **Tech-Infused Fashion: The Future is Now**
3. Y2K Revival: Nostalgia and Bold Color

BY-VAISHNAVI KUMARI

The Global Car Industry: Trends, Innovations, & the Road Ahead

The global car industry is shifting gears faster than ever before, with exciting advancements and trends that are changing the way we drive and think about transportation. From electric vehicles to autonomous cars, the road to the future is full of fascinating innovations. Let's take a ride through the latest changes driving the car industry.

1. Electric Vehicles (EVs) are Taking Over

Electric cars are no longer just a trend; they're the future! With climate change at the forefront of global discussions, EVs are gaining popularity for their zero emissions and reduced environmental impact. Popular models like Tesla's Model 3, Rivian, and Ford's Mustang Mach-E are leading the charge, and governments worldwide are offering incentives for those making the switch. Plus, battery tech is advancing, making EVs more affordable and practical.

2. The Rise of Autonomous Cars

Imagine reading a book or taking a nap while your car drives itself. It's closer than you think! Self-driving cars are in the testing phase, with companies like Waymo, Tesla, and even traditional automakers developing cutting-edge AI and sensor technologies. While fully autonomous vehicles aren't everywhere yet, they could soon change the face of transportation, making roads safer and

driving more convenient.

3. Hybrid and Hydrogen Fuel: The New Fuels of the Future

Fuel efficiency continues to be a top priority, especially with rising fuel costs and environmental concerns. Hybrid cars, like the Toyota Prius, combine electric power with traditional engines for better fuel economy, while hydrogen-powered vehicles (like the Toyota Mirai) promise a clean alternative to gas. These innovations help us reduce our dependence on fossil fuels and pave way for a greener future

4. Tech-Savvy Cars: More Than Just Wheels

Cars today aren't just about getting from point A to point B—they're packed with high-tech features! From smart infotainment systems to voice-activated controls, cars now offer connected, AI-powered experiences that make driving safer and more enjoyable. With features like autonomous parking, lane assist, and advanced GPS systems, your car is becoming smarter by the day!

5. What's Next?

As the car industry keeps evolving, we can expect even more changes in the coming years. Will flying cars become a reality? Could we see more shared autonomous car services instead of personal car ownership? One thing's for sure: the future of transportation is bound to be faster, cleaner, and

more.

Ankit Kumar Singh & Krishnendu Jana
Class - XI

The Growing Influence of Instagram on Our Lives: A Double-Edged Sword

In today's digital age, social media platforms like Instagram and Twitter have become an inseparable part of our daily lives. From sharing photos and opinions to staying updated on news and trends, these platforms have radically transformed how we connect with the world around us. While they offer incredible opportunities for self-expression and communication, they also bring

about new challenges, especially for young people.

Instagram: A Visual World of Perfection Instagram, the photo-sharing app, has become synonymous with visual storytelling. With over a billion active users, it's a platform where images and videos rule, and people create a digital persona that reflects their interests style, and lifestyle.

The Power of Aesthetic and Influence-One of Instagram's most significant effects is the rise of influencer culture. Social media influencers, ranging from fashion enthusiasts to fitness gurus, are reshaping industries and influencing consumer behavior .

The Need for Healthy Social Media Habits-As students and young people, it's important to recognize the impact social media can have on our lives. It's crucial to cultivate healthy social media habits, such as limiting screen time, following accounts that inspire and uplift, and being mindful of the content we consume and share. Taking breaks from social media, engaging in face-to-face conversations, and focusing on real-life connections can help us maintain a healthy balance.

Conclusion: Social media as a Tool, not a Master

Both platforms impact mental health, with many feeling the pressure of likes, followers, and constant engagement. However, they also offer opportunities for connection, learning, and social change. To maintain a healthy balance, it's important to use social media mindfully embracing authenticity, limiting screen time, and fostering real-world connections. Social media can be a tool for good, as long as we control how it affects us.

Abdul Waheed
Class – XI

Balancing the Impact of Social Media on Life

the Impact of Social Media on Life

In today's digital age, social media has become an integral part of our daily lives, influencing how we communicate, share information, and even form opinions. Platforms such as Facebook, Instagram, Twitter, and TikTok offer unprecedented levels of connectivity, but the impact of social media on life is complex, with both positive and negative consequences.

Positive Impacts of Social Media

1. **Enhanced Communication and Connectivity**
   Social media has revolutionized the way we communicate. It enables people to stay in touch with family and friends across the globe instantly. Whether through text, video calls, or photo-sharing, social media helps bridge physical distances and fosters relationships that might otherwise weaken. It also facilitates the creation of online communities where individuals can share common interests and support one another.

2. **Business and Career Opportunities**
   Social media platforms have transformed the business landscape. Entrepreneurs and companies use platforms like LinkedIn and Instagram for networking, marketing, and recruitment. Small businesses, in particular, benefit from social media as a cost-effective tool to reach a wide audience, build brand awareness, and engage with customers directly. Many influencers have also built successful careers by leveraging platforms like YouTube and TikTok to promote products and services.

3. **Awareness and Advocacy**
   Social media has become a critical tool for raising awareness about social, political, and environmental issues. Movements like #MeToo, #BlackLivesMatter, and #ClimateAction have gained global attention and sparked important conversations. Social media's ability to spread information quickly enables people to mobilize, advocate for change, and amplify voices that may not be heard through traditional media.

Negative Impacts of Social Media

1. **Mental Health Concerns**
   While social media fosters connectivity, it can also contribute to feelings of isolation and inadequacy. Constant exposure to idealized portrayals of others' lives can lead to comparison, envy, and a distorted sense of reality. Studies show that prolonged social media use is linked to increased anxiety, depression, and low self-esteem, particularly among teenagers and young adults. This can result in a negative impact on mental health, especially when online interactions replace real-life connections.

2. **Misinformation and Fake News**
   One of the most significant risks of social media is the spread of misinformation. False

news, health advice, and political propaganda can spread rapidly, causing confusion and misinformation. The viral nature of social media makes it difficult to control and verify the accuracy of information, leading to a loss of trust in both the media and public figures.

3. **Cyberbullying and Online Harassment**
   The anonymity provided by social media platforms can encourage harmful behavior such as cyberbullying and online harassment. Victims, especially young people, often face severe emotional distress due to online attacks. The lack of accountability and regulation on many platforms makes it difficult to protect users from harmful interactions, which can lead to long-term psychological consequences.

4. **Privacy and Security Risks**
   With the increasing amount of personal information shared online, privacy concerns have become more prevalent. Data breaches, identity theft, and the unauthorized use of personal data by corporations raise alarms about the safety of personal information. Social media platforms collect vast amounts of data for advertising purposes, leading to questions about users' control over their own digital identities.

Conclusion

Social media's impact on life is both transformative and complex. On one hand, it fosters global connections, enhances business opportunities, and amplifies important social causes. On the other hand, it can contribute to mental health issues, the spread of misinformation, cyberbullying, and privacy concerns. To make the most of social media, individuals must approach it with mindfulness, setting boundaries, being critical of content, and protecting their privacy. By doing so, we can harness the benefits of social media while mitigating its potential harm.

This world To That wild

In the dawn of a world both fresh and wild,
Where dreams of steel meet earth's soft child,
The rivers hum in a softer song,
Of ancient whispers, where they belong.

FROM ,this worl to that wild,
The mountains stand as they always did,
Their faces worn, yet not forbidding.
Beneath them, cities rise and fall,
Yet nature's roots will outlast them all.

The forests, though thinned by time's harsh hand,
Still stretch their limbs to reclaim the land.
A thousand leaves catch the breeze of change,
As cities rise, and hearts rearrange.
The oceans roll with tides unbound,
As humans chart what's yet to be found.
Yet in each wave, and in every grain,
Echoes the pulse of a world unchanged.

A new world forged from dreams anew,
Yet rooted deep in the old and true.
The future spins its tangled thread,
But nature's voice will never be dead.
For in this dance of metal and stone,
We see the wild, and feel it grown.
The new world hums with life's refrain,
A symphony of loss, and love, and gain.

FROM this world to that wild.
Let us build, let us dream, and let us be,
Bound by earth and sky, forever free.

गणित

Mathematics

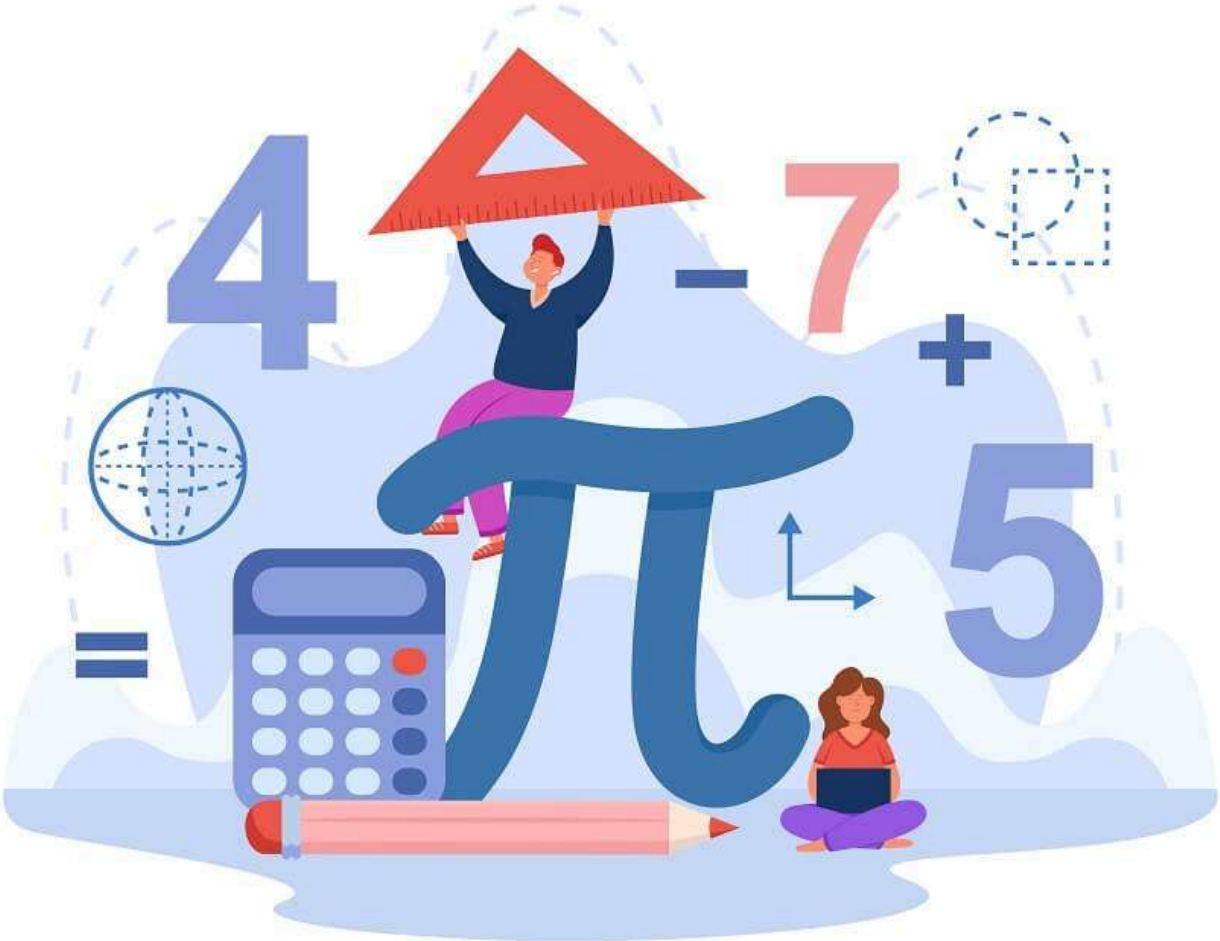

MATHS

The golden ratio and symmetry,
Every constructions backbone is Geometry.
Algebra and statistics help us all,
In creating structures like school building or mall.
Mathematics has made everything possible,
By identifying coordinates and making everything traceable.
It helps us make combinations and find the probability,
It goes by proof and enhances our ability.
To analyze and solve a problem,
To learn to share by dividing candies and being awsome.
We see mathematics in all little and big forms,
And it helps us find the probability of thunderstorms.
Symmetry always helps us all,
And makes beautiful creatures great and small.
Trigonometry is used to find the distance between rivers,
We also use mathematics to find the height of pillars.
From counting stars and birds,
To learning area,volume and law of Surds.
In real world it has imaginary numbers,
With maths in hand we always create wonders.
It is just to use it in the right way,
All ideas are proved, none is stray.
It never stops but goes on till infinity,
Look around you and you'll find all examples of mathematics in your vicinity.

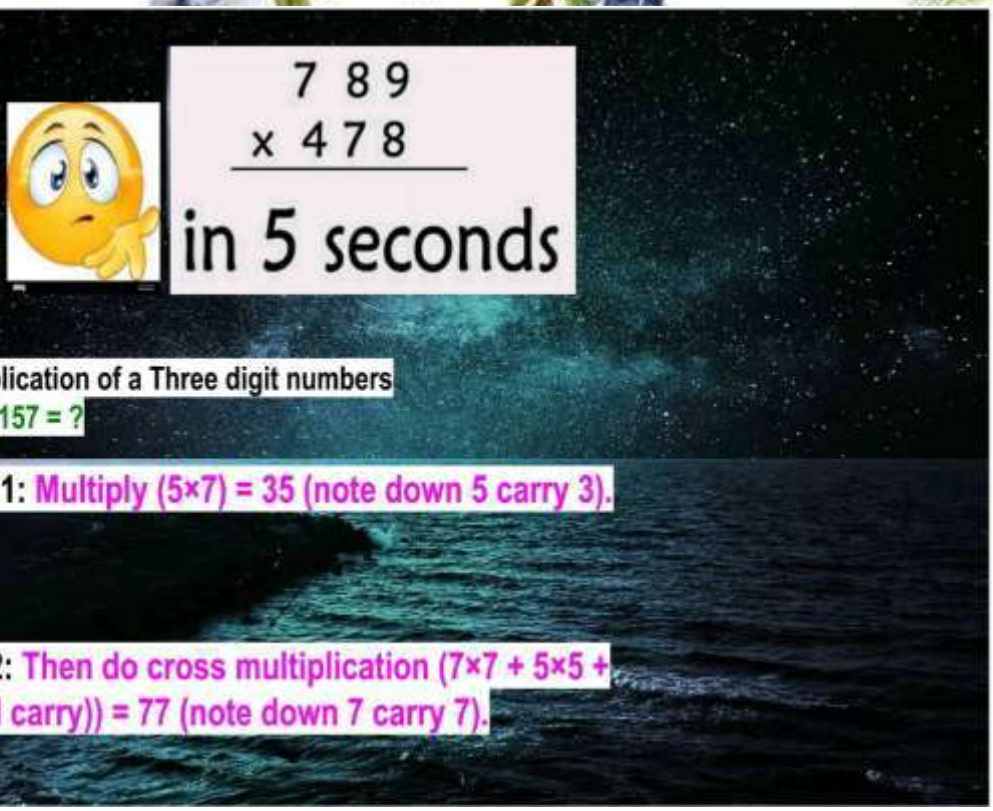
7 8 9
x 4 7 8
in 5 seconds
Multiplication of a Three digit numbers
175 x 157 = ?
Step 1: Multiply (5×7) = 35 (note down 5 carry 3).
Step 2: Then do cross multiplication (7×7 + 5×5 + 3 (add carry)) = 77 (note down 7 carry 7).

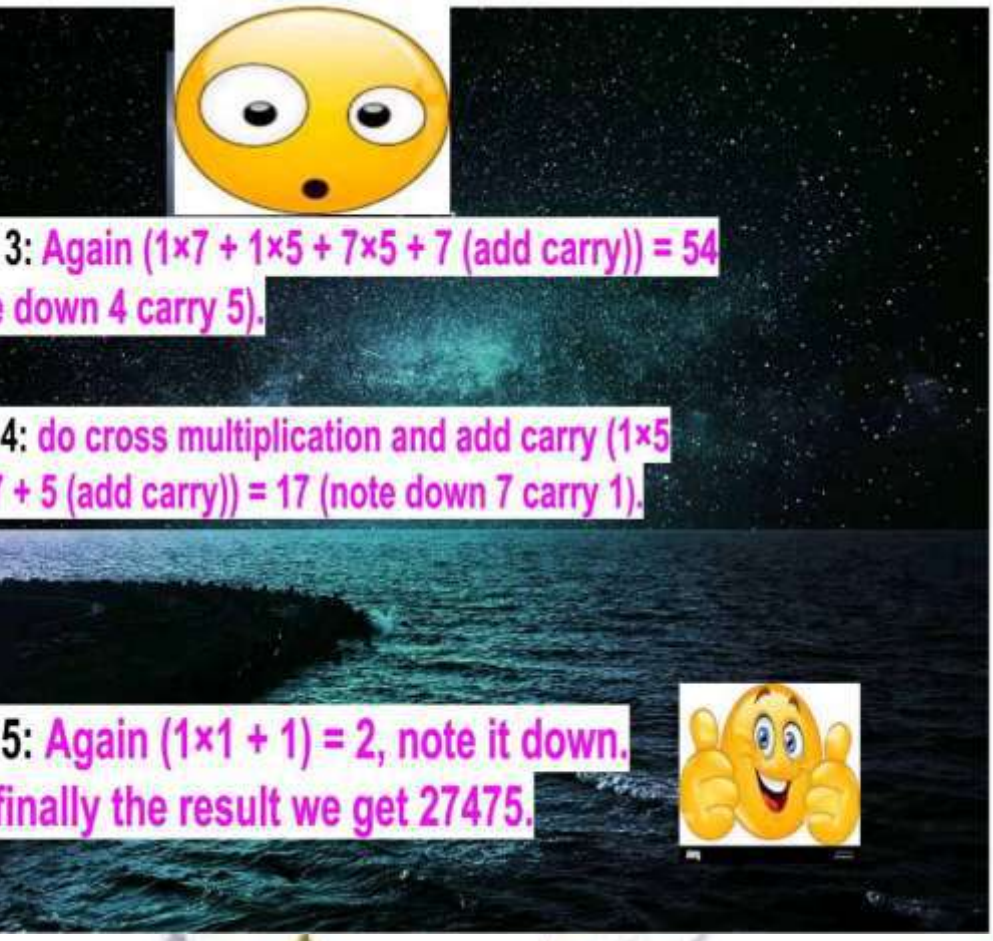
Step 3: Again (1×7 + 1×5 + 7×5 + 7 (add carry)) = 54 (note down 4 carry 5).
Step 4: do cross multiplication and add carry (1×5 + 1×7 + 5 (add carry)) = 17 (note down 7 carry 1).
Step 5: Again (1×1 + 1) = 2, note it down.
And finally the result we get 27475.

PUZZLES

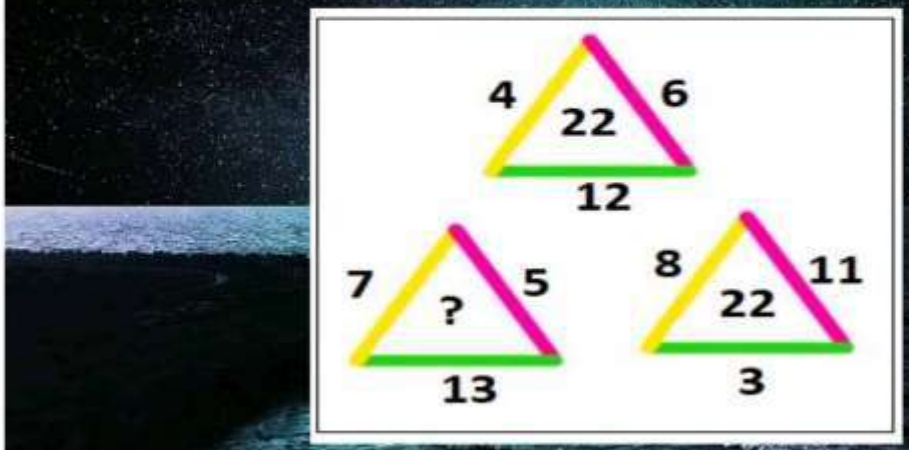

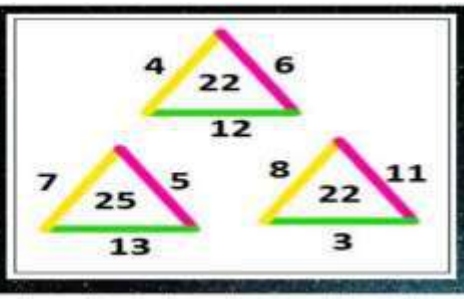

From the given, it can be observed that the addition of numbers exists.

In the top triangle, 4 + 6 + 12 = 22

In the second row, the second triangle has a sum of three numbers; 8 + 3 + 11 = 22

Thus, the missing number in the puzzle is:

7 + 5 + 13 = 25

Therefore,

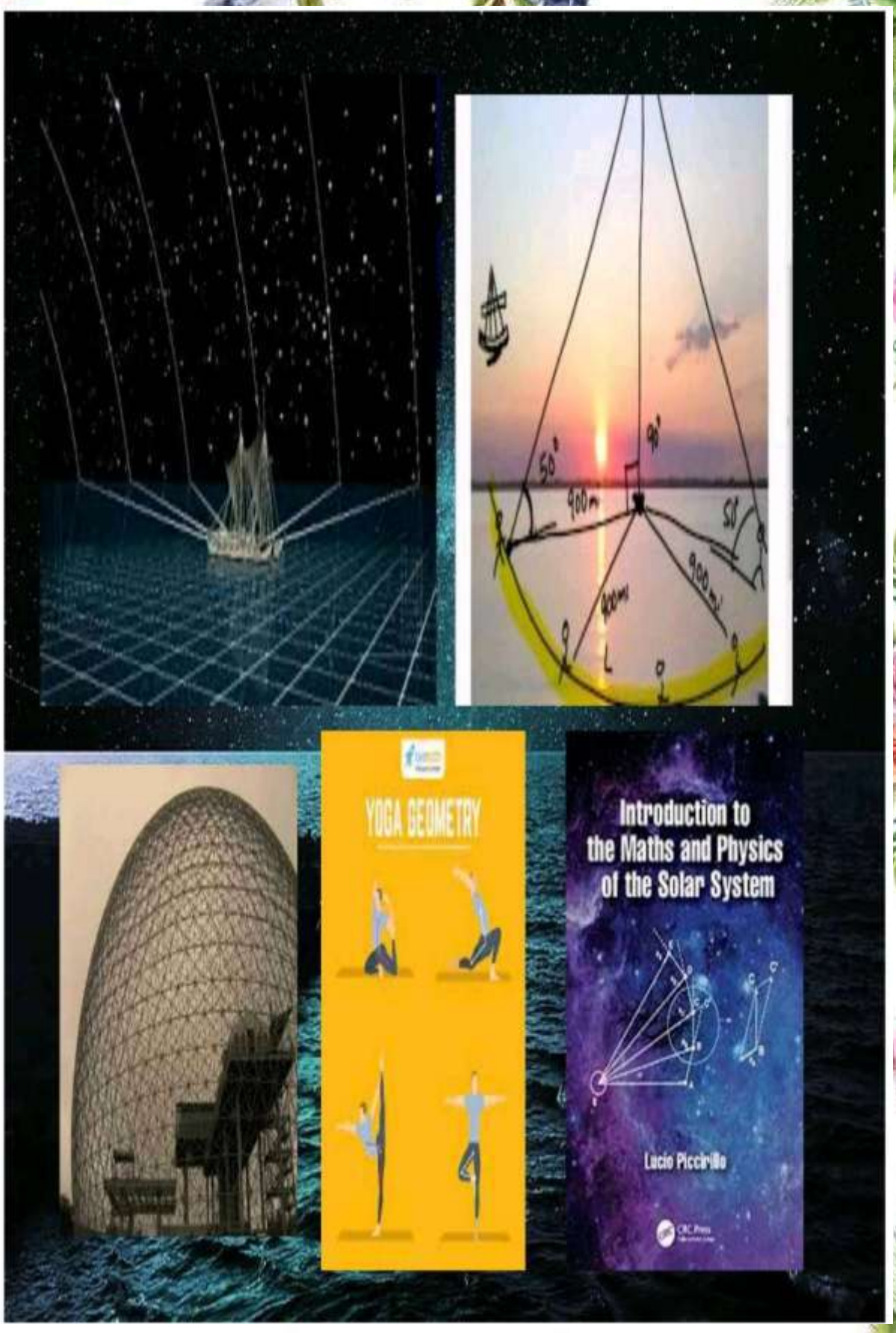
YOGA GEOMETRY
Introduction to the Maths and Physics of the Solar System
Lucio Piccirillo

3. Riddle: What goes up but never comes down?

1. Riddle: What has to be broken before you can use it?

Riddle 4 : You see a boat filled with people, yet there isn't a single person on board. How is that possible?

2. Riddle: What question can you never answer yes to?
Answer: Are you asleep yet?

Riddle - 5 What runs, but never walks. Murmurs, but never talks. Has a bed, but never sleeps. And has a mouth, but never eats?

Answer4 : All the people on the boat are married.

Answer3 : Your age

Answer 1 : An egg

Answer: 2 - Are you asleep yet?

MATHS IS HATED OR LIKED MORE?

Some say they hate Maths,
Some say they like Maths.
If you talk about me
I am with those who say
They cannot spend their day,
Without getting a taste of Maths.
Some students blame Maths,
For their low grades in progress card.
But if you talk about me
I admire and grateful to Maths
to get topmost grades in my performance card.
As Class 10th Boards exam approaching,
My fellow classmates are busy in praying
That they pass the Maths exam with an average score.
But if you talk about me,
I am busy in creating day and night into one
To get the highest score,
That the last topper of school was
Unable to make.
I wonder how my Maths teacher react,
If I really achieve the target I set.
I have made up my mind
If I achieve the target I set,

I'll definitely thanks my teacher
With Barfi and Rasmalai.
Though I am scared what will happen in
Board Results,
But I have learnt not to lose hope,
Carry on my passion for Maths.
Sometimes I fail to solve questions,
I try again and again until I get
But I cry when I fail.
Even on losing four to six marks in exam
Looks like I failed the maths exam.
But as x,y,z,a,b or c
in terms of maths are called variables,
Similarly bad phases in academics
are no longer if you work hard again.
I gain courage and show my results
The best I could ever have seen.
I just to want to address the students
That Maths is not haunted as you think,
If you have potential to do your best
You can conquer any subject,
Whether it's Ramanujan's subject
Or History or Science.

Name - Mansi Sinha, 10 A

विज्ञान

Science

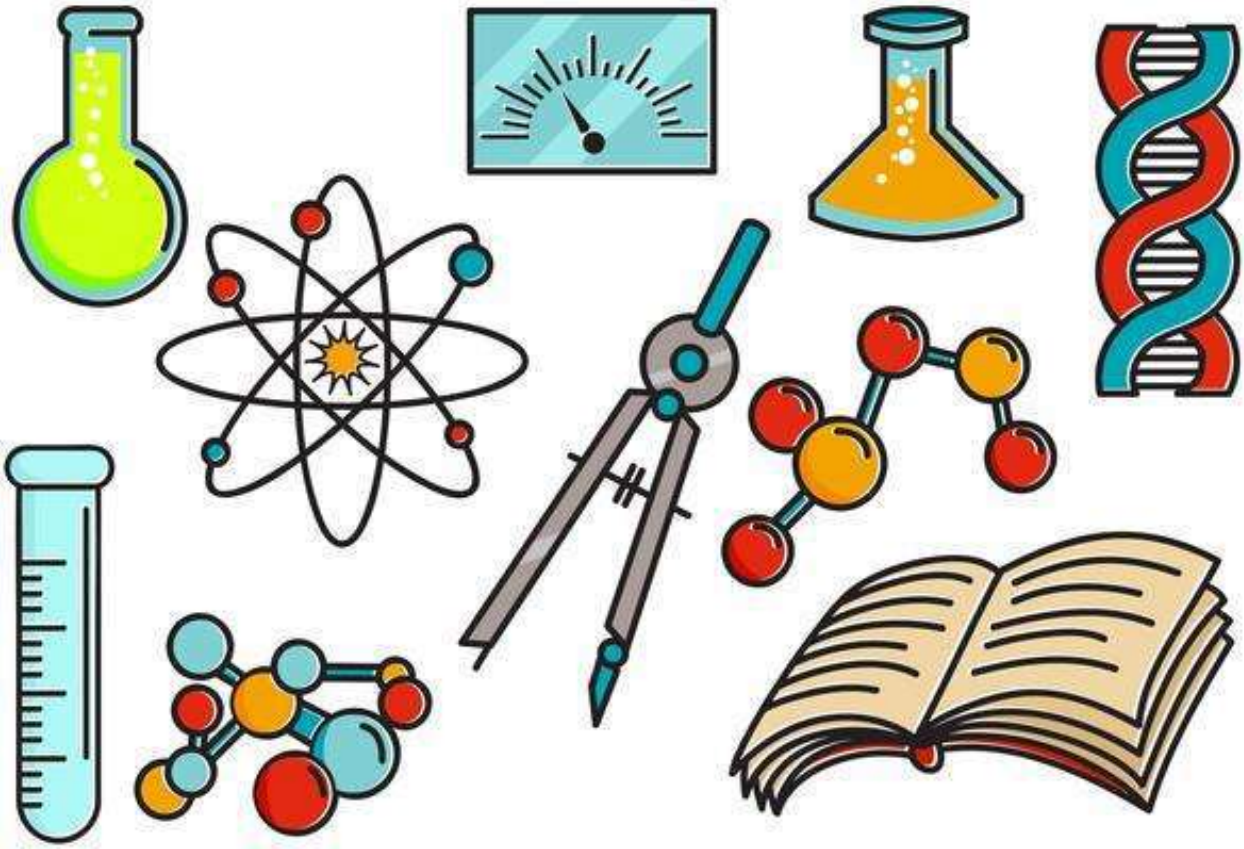

LIFE ON MARS

"We are all … children of this universe. Not just Earth, or Mars, or this system, but the whole grand fireworks. And if we are interested in Mars at all, it is only because we wonder over our past and worry terribly about our possible future."

The possibility of life on Mars is a subject of interest in astrobiology due to the planet' s proximity and similarities to Earth. To date, no conclusive evidence of past or present life has been found on Mars. Cumulative evidence suggests that during the ancient Noachian time period, the surface environment of Mars has liquid water and may have been habitable for microorganisms, but habitable conditions do not necessarily indicate life.

Mars is of particular interest for the study of the origins of life because of its similarity to the early Earth. This is especially true since Mars has a cold climate and lacks plates tectonics or continental drift, so it has remained almost unchanged since the end of the Hesperian period.

Currently, the surface of Mars is bathed with ionizing radiation, and Martian soil is rich in perchlorates toxic to microorganism. Therefore, the consensus is that if life exists or existed on Mars, it could be found or is best preserved in the subsurface, away from present-day harsh surface processes.

In June 2018, NASA announced the detection of seasonal variation of methane levels on Mars. Methane could be produced by microorganisms or by geological means. The European ExoMars Trace Gas Orbiter started mapping the atmospheric methane in April 2018, and the 2022 ExoMars rover Rosalind Franklin was planned to drill and analyze subsurface samples before the program's indefinite suspension, while the NASA Mars 2020 rover Perseverance, having landed successfully, will cache dozens of drill samples for their potential transport to Earth laboratories in the late 2020s or 2030s

ARTIFICIAL INTELLIGENCE IN SCIENCE

"The science of today is the technology of tomorrow."

Artificial Intelligence (AI) has emerged as a transformative technology in various fields, including science and computer science AI. As we move into 2023, we can expect to witness significant advancements and trends in the intersection of AI and science, paving the way for groundbreaking discoveries and innovations.

AI in science has revolutionized the way researchers approach complex problems and make breakthroughs. With machine learning algorithms, AI systems can analyze vast amounts of data and identify patterns, leading to insights that were previously unimaginable.

AI has been used in drug discovery, where it can efficiently sift through vast databases of chemical compounds to identify potential candidates for new drugs, significantly accelerating the research and development process.

In today's rapidly evolving technological landscape, Artificial Intelligence (AI) is revolutionizing various industries, including the field of science. With its ability to process and analyze vast amounts of data, AI is transforming the way we conduct research, analyze results, and make discoveries.

One of the key trends in artificial science is the integration of machine learning algorithms into laboratory processes. For instance, AI algorithms can analyze data from experiments in real-time, optimizing parameters such as temperature, pressure, and pH levels to enhance experimental outcomes. This not only speeds up the research process but also reduces the margin for error, leading to more reliable results.

Artificial Intelligence (AI) has become a game-changer in the field of science, revolutionizing how research is conducted, data is analyzed, and discoveries are made. From computer science AI to AI science, the applications of Artificial Intelligence are vast and promising.

SCIENTIFIC MYTHS AND FACTS ABOUT HUMAN HEART

" The reactions of human heart are not mechanical and predictable but infinitely subtle and delicate ".

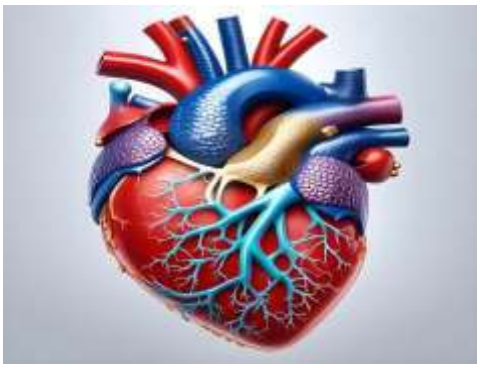

The human heart is a muscular organ that pumps blood throughout the body, delivering oxygen and nutrients to organs and removing waste products. The heart is located in the middle of the chest, slightly to the left of the breastbone.

MYTHS:

- ✓ *If someone has a fast heart rate, it just means they are stressed or are drinking too much caffeine.*
- ✓ *If someone does not have any symptoms related to heart, their heart must be healthy.*
- ✓ *Heart disease only affects older people.*
- ✓ *Heart failure means your heart stops beating*

FACTS

- ✓ *Newborn babies have the fastest heart beats.*
- ✓ *The heart beats about 100,000 times per day, or about three billion beats in a lifetime.*
- ✓ *The heart's electrical system controls the rate and rhythm of your heartbeat.*
- ✓ *A newborn's heart rate is around 70 to 190 beats per minute. The average adult should have a resting heart rate between 60 and 100 beats per minute.*
- ✓ *The pericardium is the sac that surrounds the heart. It lubricates the heart's movement and protects it from infection.*

ABC'S OF TRAVEL IN SPACE

"The stars don't look bigger, but they do look brighter."

In the 21st century, travelling has become part of everyday life. It's the subject of communication everywhere: on blogs and through photos shared online, in travel literature, documentaries and commercial media

A: A, what begins with A? There is antarctica and the Arctic, algal blooms, acids rain, and the atmosphere. And aerosols altering an astronaut's view of this ancient assemblage of rock in a state adjacent to Arizona!

B: Bonjour B, what begins with B? Biomass and boreal forests. Beirut, Barcelona, and Brasília. A bunch of babbling birds bunched up along Holla Bend.

C: Big C, little C, what begins with C? This curving crescent of carbonate and quartz clinging to the coast. There is Cloud Sat and CALIPSO. Contrails from jets cruising over cumulus clouds. The Corolis force, chlorofluorocarbons, and crafty coccolithophores!

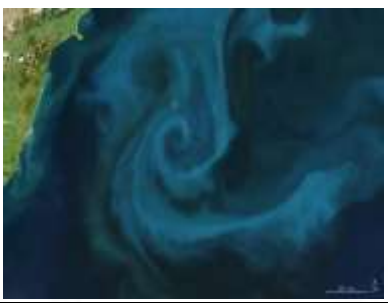
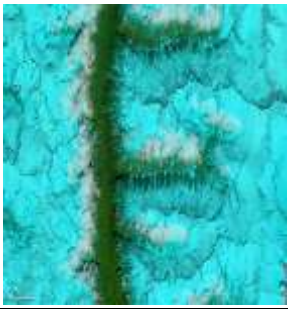

D: W'hat begins with D? Decomposing detritus and dust deposited on a dimpled island during deglaciation. Deserts, deltas, and deforestation. W'hat else? DATA! Data sets…databases…data systems….data visualizations.

E: W'hat begins with E? Earth, of course. Evaporation and the exosphere. Egypt and Eyjafjallajökull. Eskers, erratics, El Niño, and EO-1. This ephemeral entourage of algae off the east coast of an island where English is spoken!

F: Big F, little f. W'hat begins with F? Firn-filled fjords and frozen forms on folded, fossil-filled facies of rock! Fog, fossil fuels, and faults. France, Fort Collins, and don't forget Fiji.

HUMAN'S HISTORY AND SCIENCE

"The doubter is a true man of science; he doubts only himself and his interpretations, but he believes in science."

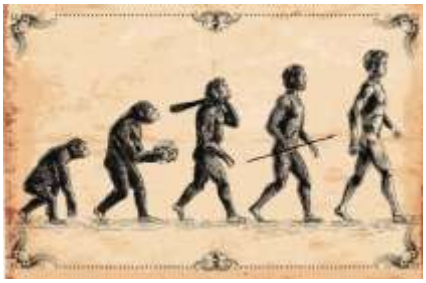

The history of science and human history are intertwined, with science helping to explain human history and human history providing context for the development of science

- ***Human history***

The record of human existence from prehistory to the present. Human history includes the evolution of humans, the development of early civilizations, and the rise of philosophical and religious ideas.

- ***History of science***

The history of scientific discovery and technological innovation. Some examples of scientific discoveries include the invention of the steam engine, the discovery of the D.N.A double helix, and the development of computers

- ***Human sciences***

The study of the human experience, which includes the analysis of current human activity and the interpretation of the human experience in history. Human sciences includes disciplines like history, sociology, anthropology, linguistics, economics, and political science.

- ***Science and human history***

Science has helped to explain human history, such as how humans first migrated out of Africa and how the Neolithic Revolution led to the rise of early civilizations. Human history has also provided context for the development of science, such as how early humans observed the heavens and tried to make sense of the seasonal changes.

Anliya George, XC

Samhitha, XC

सामाजिक विज्ञान

Social Science

DEMOCRACY (A BIG NETWORK)

Democracy is mainly all about the government of the people, by the people, and for the people. This means the type of government in which all the power resides in the hands of the people

A democratic government is a people's government that takes care of the needs and requirements of its people. Democratic government provides us a chance to rectify our own mistakes. If the general public is unsatisfied with the leader, they have the power to change him next time. Democracy in different countries is measured according to the Democracy Index. On a scale of 167, 23 countries are categorized as fully democratic, 52 as flawed democracies, 35 as hybrid regimes, and 57 as authoritarian regimes by the Democracy Index. The US, France, Belgium, India, and Brazil are considered under flawed democracy.

Democracy champions individual rights and liberties, ensuring a voice for all citizens. It promotes diversity, tolerance, and inclusivity, essential for societal progress.

Democracy, though imperfect, remains the most equitable form of governance. Its resilience lies in adapting to the evolving needs and aspirations of its people.

In conclusion, democracy remains humanity's most enduring experiment in governance. Its strength lies not only in its principles but also in its capacity to adapt and evolve, reflecting the ever-changing needs and aspirations of societies worldwide.

Conclusion

In conclusion, democracy remains an essential tool for fostering inclusive governance and safeguarding fundamental rights. While it faces challenges, its enduring appeal lies in its ability to adapt and evolve, ensuring the voices of the people continue to shape the course of history.

SHRUTI KUSHWAH

9 C

ARTICLE

ON SOCIAL MEDIA

WHAT IS SOCIAL MEDIA ?

Social media are interactive technologies that facilitate the creation ,sharing and aggregation of content (such as ideas , interests , and other form of expression) amongst virtual communites and networks.

Common features included :-

1} Online platforms that enable users to create and share content and participate in social networking…..

2} Service specific profiles that are designed and maintained by the social media organization…..

3} Social media also help us to the development of online social networks by connecting a user's profile with those of other individuals or groups……

SOCIAL MEDIA PLATFORMS

SOCIAL MEDIA PLATFORMS

The evolution of online services progressed from serving as channels for network communication to becoming interactive platforms networked social interaction with the advent of web….

In the early 2000's social media platforms gained widespread popularity with the likes of Friendster and myspace followed by facebook , yotube and twitter……

Commonly Used SOCIAL MEDIA Platforms :-

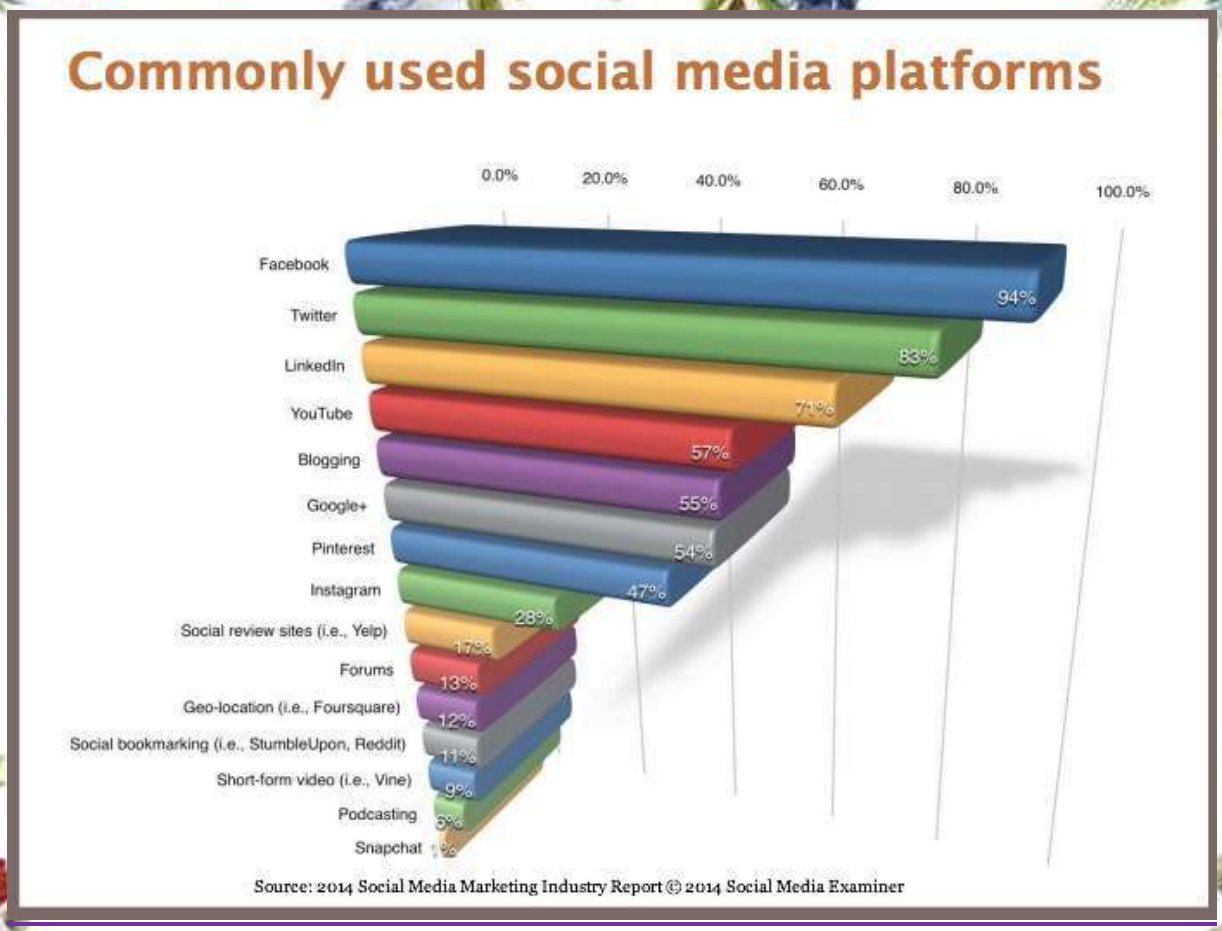

Advantages of social media :-

Advantages of social media are enhanced communication , networking opportunites ,brand promotion , information sharing and community building .....

DISADVANTAGES OF SOCIAL MEDIA :-

DISADVANTAGES ARE

1} Distraction and loss of productivity.

2} Spread of misinformation.

3} Social media addiction.

4} Promotes social isolation.

5}Causes depression and anxiety.

Social media has its own merits and demerits. As responsible individual we have to use it wisely for valid purpose and avoid.

Ganvi

Social science

Social science is a study of how people interact with each other
And how societies work. It also discusses the different branches
of social science, including anthropology, economics, political science
Psychology and sociology.
The social Science as discipline and profession. It explain that the social
Sciences are large number of discipline and interdisciplinary fields
That have their own specialised training, expertise and
Professional identities.
Social science discusses the many different areas of study that
Fall under the umbrella of social Science, including how people
Organised and governor themselves, how health
Is generated, and how business work.
Nature discusses how attention and positive sentiments towards
Carbon dioxide removal have grown on social media
Over the past decade.

SOCIAL MEDIA

Social media is a place in which people can share the news among different people through youtube, google, instagram, facebook and many other apps.

Benefits of Social Media

- Connecting with people- Social media allows people to connect with others who are far away.
- Sharing and Learning-Social media allows people to share content and ideas ,and learn new things.
- Business Promotion-Social media can be cost-effective way for business to promote themselves and engage with their customers.
- Mental health-Socia media can improve self-esteem,a sense of belonging and enhances connections.

Drawbacks of Social Media:

- Privacy Issues - Social media can raise privacy concerns.
- False Information - social media can be a platform for the spread of false information.
- Cyberbullying – Social media can beplatform for cyberbullying.
- Mental Health – Exessive use of social media can lead to stress,anxiety,depression and sleep disorders.
- Malicious Practises – Social media can be target for hacking and others malicious practices.
- Financial Frauds – Social media can be a platform for money related frauds.
- Women's Safety – Social media can be a endanger women's safety.

Akshaj Desai

SOCIAL MEDIA

Social media plays a big role in our lives today. It connects people worldwide instantly. We share our thoughts, pictures, and moments with friends and family. It helps us stay updated with news and trends. However, it also has drawbacks. Some people misuse it for spreading rumors or bullying others. It can also be addictive, consuming a lot of our time. Yet, if used wisely, social media can be a powerful tool for communication and networking. It's essential to balance our usage and be mindful of what we share online.

aspirantsessay.com

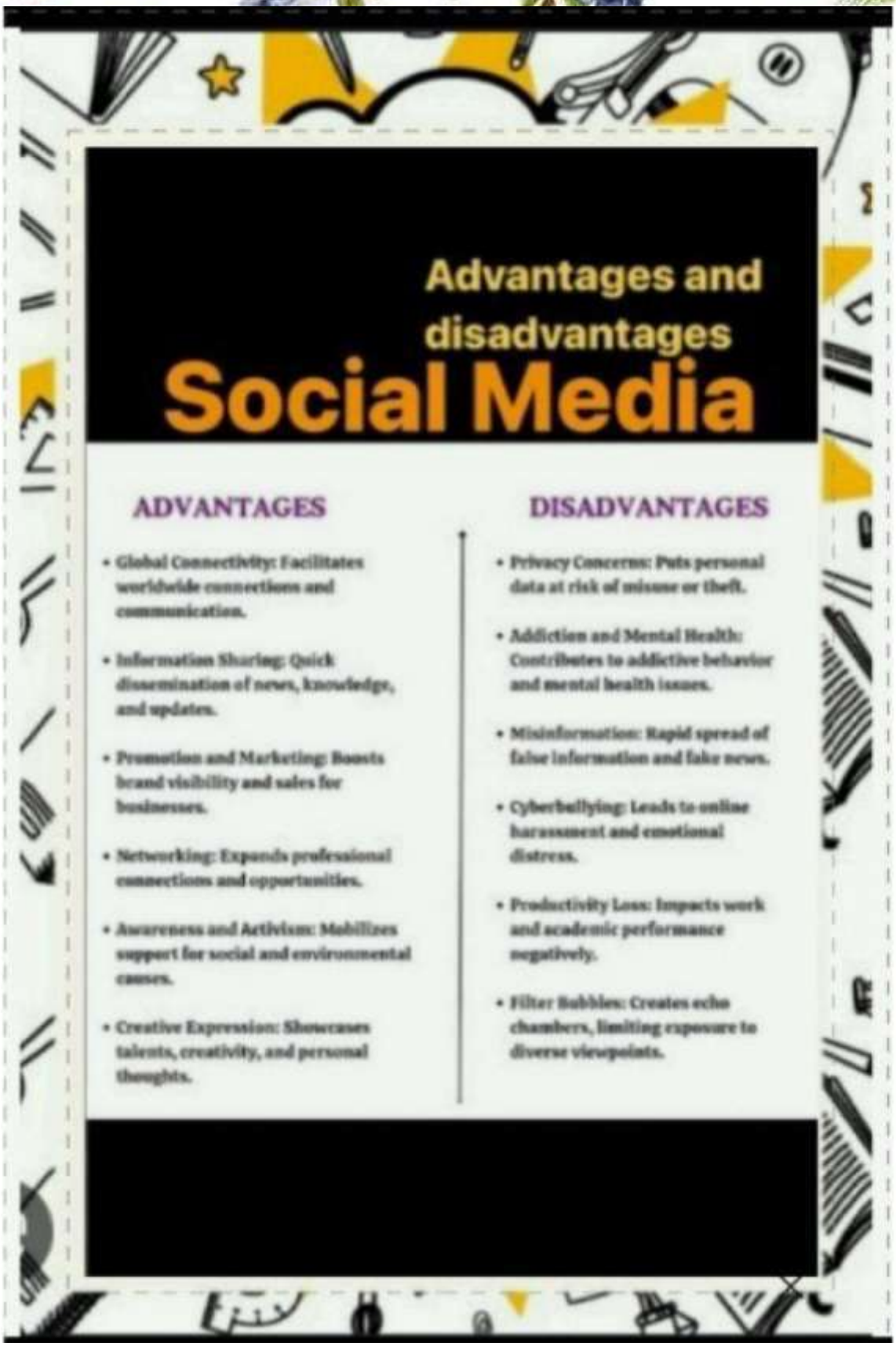
Advantages and disadvantages
Social Media
ADVANTAGES
• Global Connectivity: Facilitates worldwide connections and communication.
• Information Sharing: Quick dissemination of news, knowledge, and updates.
• Promotion and Marketing: Boosts brand visibility and sales for businesses.
• Networking: Expands professional connections and opportunities.
• Awareness and Activism: Mobilizes support for social and environmental causes.
• Creative Expression: Showcases talents, creativity, and personal thoughts.
DISADVANTAGES
• Privacy Concerns: Puts personal data at risk of misuse or theft.
• Addiction and Mental Health: Contributes to addictive behavior and mental health issues.
• Misinformation: Rapid spread of false information and fake news.
• Cyberbullying: Leads to online harassment and emotional distress.
• Productivity Loss: Impacts work and academic performance negatively.
• Filter Bubbles: Creates echo chambers, limiting exposure to diverse viewpoints.

L. Ganesh, 7C

कम्प्यूटर विज्ञान

Computer Science

NAME –ANUJ KUMAR YADAV

CLASS –11

TOPIC– CYBER SECURITY

Cybersecurity: Protecting Your Digital World

In today's interconnected world, cybersecurity is no longer a niche concern. It's a fundamental pillar of our personal and professional lives, safeguarding our data, privacy, and financial security. This presentation aims to shed light on the evolving landscape of cyber threats and empower you with essential knowledge and practical strategies to protect yourself and your organization.

A Multifaceted Approach to Cybersecurity

Defense-in-Depth

The most effective cybersecurity approach involves multiple layers of protection. These layers can include firewalls, intrusion detection systems, antivirus software, and regular security audits. This layered approach reduces the risk of a single point of failure and ensures comprehensive security.

Human Element

Cybercriminals often exploit human vulnerabilities. Employee training on phishing recognition, password hygiene, and secure data handling is critical to preventing attacks. Organizations should prioritize cybersecurity awareness programs to empower their workforce.

खेलकूद

Games & Sports

52वें केवीएस नेशनल 2023-24 हैदराबाद रीजनल में कांस्य पदक हासिल किया

52ND KVS NATIONAL 2023-24 HYDERABAD REGIONAL SECURED BRONZE MEDAL

अंडर 17 वर्ष लड़कों के खो खो में स्वर्ण पदक

U/17 years Boys Kho kho Gold medal

अंडर 17 वर्ष लड़कों के वॉलीबॉल में रजत पदक हासिल किया

U/17 years Boys Volleyball secured Silver medal

51वें केवीएस नेशनल हैदराबाद रीजनल ने स्वर्ण पदक हासिल किया

51st KVS NATIONAL Hyderabad Regional secured Gold medal

अंडर 14 वर्ष बालक खो-खो में रजत पदक प्राप्त किया

U/14 years boys kho kho secured Silver medal

वार्षिक खेल दिवस

Annual Sports Day.

प्राथमिक विभाग

Primary Wing

THE NATURE

I am nature, I am nature.
I have tree, am free.
I have air with me,
I have mountains around me.
I have water,
I have food
If these things will not be there
The life will be no more

Arush Mandal, 5th C

Midnight Fight

Last night I had a funny dream,

Something holding a torch

Tight in my hand

I went to the kitchen

And there I saw a fight

Between two mice

Over a slice of cheese

Both were the same height

Arohini

नादान परिंदा

मैं हूँ एक नादान परिंदा, राह भटक जाता हूँ

माँ मुझे समझती है , सही राह पर आ जाता हूँ

रोज़ सुबह वो मुझे उठाती, मैं झट से जग जाता हूँ

जल्दी से तैयार होकर विद्यालय पढ़ने जाता हूँ

मैं तो एक छोटा बच्चा हूँ, समझ सकु न कुछ भी

मेरी जो अभिलाषा है ,प्राप्त करूं मैं कैसे

माँ ने मुझे बताया बेटा करम करो तुम अच्छा

जग में तुम महान बनोगे ,पूरी होगी सब इच्छा!

आयुष्मान मिश्रा

पाँचवी अ

पहेलियाँ

1- तीन अक्षर का मेरा नाम, उल्टा सीधा एक समान ।

उत्तर: जहाज

2- कटोरे पे कटोरा, बेटा बाप से भी गोरा

उत्तर : नारियल

3- लाल डिबिया में है पीले खाने, खानों में मोती के दाने ।

उत्तर: अनार

4- चौकी पर बैठी एक रानी, सिर पर आग बदन में पानी ।

उत्तर: मोमबत्ती

5- एक मंजिला घर में, एक लाल कुर्सी, लाल बिस्तर, लाल कंप्यूटर, लाल फूल, लाल मेज, लाल कालीन है – चारों ओर सब कुछ लाल रंग का है। सीढ़ी का रंग क्या है?

उत्तर: : यह एक मंजिला घर है और इसलिए, कोई सीढ़ी नहीं है ।

6- पहेली: पैर नहीं है, पर चलती रहती, दोनों हाथों से अपना मुँह पोंछती रहती ।

उत्तर : घड़ी

7- वह क्या है जिसे इस्तेमाल करने से पहले तोड़ना पड़ता है?

उत्तर: अंडा

8- बेटे और 2 पिता फिल्म देखने गए, उनके पास 3 टिकट थे, फिर भी सबने फिल्म देखी, कैसे?

उत्तर: क्योंकि वे 3 लोग ही थे, दादाजी, पिताजी और बेटा

9- बूझो भैया एक पहेली, जब काटो तो नई नवेली ।

उत्तर: पेंसिल

10- वह क्या है जो तुम्हारा है पर उसे तुमसे ज्यादा दूसरे लोग इस्तेमाल करते हैं? **उत्तर**: तुम्हारा नाम

भारत देश का नाम है।

भारत देश का नाम है,
तिरंगा झंडा इसकी शान है।
अलग-अलग हैं बोली-भाषा,
कहीं पहाड़, तो कहीं मैदान हैं।
बहुत बड़ा है देश हमारा,
परम्पराओं पर हमको अभिमान है।
अनेकता में एकता,
यही हमारा संविधान है।

छः काम की बातें।

नदी के जैसे सरल बनो,
पर्वत से तुम अडिग रहो।
सूरज जैसी आभा वाले,
चंदा जैसे शालीन बनो।
करो उपकार वृक्ष के जैसे,
परिश्रम करो तुम चींटी जैसा।
यह छः बातें जो तुम अपनाओ,
जग में ऊँचा नाम कमाओ।

Riddle

1. I have a crown I am not a king

I have a neck I am not an animal

I have a root, I am not a plant

What does 'I' represent in the above riddle?

2. What has hands and a face but can't hold anything or smile
3. If you don't keep me I will break. What am I?
4. **I have a tail and a head but no body. What am I?**

Ans

1. A tooth
2. A clock
3. Promise
4. **Coin**

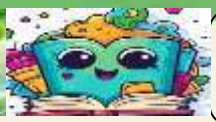

KENDRIYA VIDYALAYA, C.R.P.F. BARKAS, HYD.
WELCOME

KENDRIYA VIDYALAYA, C.R.P.F. BARKAS, HY

IDYALAYA, C.R.P.F, BARKAS, HYD,
SELFIE POINT
VIDYA PRAVESH UTSAV
WELCOME

FLN CORNER

WELCOME
CLASS 1 STUDENTS

FLN CORNER

सह पाठ्यगामी क्रियाकलाप

बाल योगाभ्यास

वाचन गतिविधि

गणित प्रश्नोत्तरी

नन्हे सैनानी

धन्यवाद